सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"अपनत्व का कोई रूप नहीं होता,
जब किसी की अनुभूति स्वयं से भी
अधिक अच्छी लगे वही अपनत्व है...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–304 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 25 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए



वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, 53 गेंदों में 204 रन ठोककर तोड़े कई वर्ल्ड रिकॉर्ड

28 छक्के, 7 चौके, 385 का स्ट्राइक रेट – UAE को 7 विकेट से हराकर इंडिया–अ सेमीफाइनल में

नई दृष्टिबिंदु / दोहा

देश के युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में वअ के खिलाफ महज 53 गेंदों में 204 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर उन्होंने लिस्ट–अ क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया। अपनी इस ऐतिहासिक पारी में वैभव ने 28 छक्के और 7 चौके लगाए। यानी 196 रन सिर्फ बाउंड्री से आए। उनका स्ट्राइक रेट 385 से भी अधिक रहा।

एक ही पारी में 3 वर्ल्ड रिकॉर्ड

28 गेंदों में शतक – लिस्ट–अ क्रिकेट का सबसे तेज शतक, 40 गेंदों में 150 रन – सबसे तेज 150 रन और 52 गेंदों में दोहरा शतक – लिस्ट–अ क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक लगाया। वैभव ने एक पारी में सबसे ज्यादा 28 छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया, जो प्रोफेशनल



क्रिकेट में किसी भी बल्लेबाज द्वारा एक पारी में लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं।

मैच का हाल

दोहा के यूनिवर्सिटी ऑफ दोहा फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में वअए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 249 रन बनाए। हरप्रीत सिंह भाटिया ने 144 गेंदों में 130 रन की शानदार पारी खेली। भारत के लिए अर्शद खान ने 4 विकेट लिए। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया–अ ने महज 14.2 ओवर में 3 विकेट खोकर 254 रन बनाकर 7 विकेट से जीत दर्ज की। वैभव ने 16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, टीम ने 5 ओवर में ही 100 रन बना लिए थे।

वैभव के आउट होने के बाद रिंकू सिंह ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ तिलक वर्मा की कप्तानी वाली इंडिया–अ ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए वैभव सूर्यवंशी को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ। आप इसी तरह निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करें और अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाते रहें।



6 साल बाद फिर साथ आए भाजपा–शिअद, 24 साल पुराना गठबंधन फिर बहाल

शाह बोले – सीएम पद 'बड़े भाई' शिअद को मिलेगा, सीट बंटवारा अभी तय नहीं



नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली–चंडीगढ़

भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) 6 साल बाद फिर साथ आ गए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की उपस्थिति में मंगलवार को गठबंधन की घोषणा हुई। शाह ने कहा कि पंजाब में सीएम का चेहरा 'बड़े भाई' शिअद से होगा। सीटों का बंटवारा अभी नहीं हुआ है। पंजाब में 2027 के शुरू में विधानसभा चुनाव हैं। राज्य में 117 सीटें हैं। गठबंधन में 23 सीटों पर लड़ती आई भाजपा इस बार 46 सीटें मांग सकती है।



2020 में टूटा था 24 साल का नाता

तीन कृषि कानूनों के विरोध में शिअद ने 2020 में एनडीए से 24 साल पुराना नाता तोड़ दिया था। बाद में ये कानून वापस ले लिए गए। भाजपा–शिअद गठबंधन 1997, 2007 व 2012 में जीतकर 15 साल सत्तारूढ़ रहा था। अलग होने के बाद 2022 के विधानसभा व 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों का प्रदर्शन कमजोर रहा। विधानसभा में भाजपा 2 सीटों पर सिमट गई। लोकसभा में भाजपा का खाता नहीं खुला, शिअद 1 सीट जीती।

शाह ने कहा कि नशा खत्म करना, किसान कल्याण और हिंदू–सिख एकता पर दोनों दल मिलकर काम करेंगे। सुखबीर ने कहा कि पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल की 100वीं जयंती पर 8 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी पंजाब पहुंचेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिखा – श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर शिअद की एनडीए में वापसी से मैं प्रसन्न हूं।

क्या कहते हैं आंकड़े

2017 के विधानसभा चुनाव में शिअद को 25.24% और भाजपा को 5.39% वोट मिले थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट शेयर 18.56% हो गया, जबकि शिअद का 13.42% रह गया। एक सीट जीते शिअद को सिर्फ 9 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली, जबकि खाता न खुलने के बावजूद भाजपा को 23 सीटों पर बढ़त मिली थी।

2024 के चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को करीब 26–26% वोट मिले। शिअद–भाजपा का कुल वोट शेयर करीब 32% था।

विशेषज्ञ की राय

प्रो. संजय कुमार, सीएसडीएस के अनुसार, दोनों दल अपने वोट एक–दूसरे को ट्रांसफर करवा पाए तभी राज्य में त्रिकोणीय मुकाबला कड़ा होगा। भाजपा और शिअद अलग–अलग लड़ते तो संभावना बहुत अच्छी नहीं थी। एक साथ ये मजबूत ताकत के रूप में उभरेंगे। शहरी क्षेत्रों और हिंदू वोटों पर भाजपा की पकड़ है, वहीं ग्रामीण और सिख वोटों पर शिअद की।

2027 का पंजाब विधानसभा चुनाव अब सत्तारूढ़ आप और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर का मुकाबला नहीं रहेगा। त्रिकोणीय मुकाबले के पूरे आसार हैं। जिस किसान आंदोलन के मुद्दे पर शिअद ने एनडीए छोड़ा था, उसका असर अब नहीं रहा। नशा अब भी बड़ा मुद्दा है, जो आप के लिए चुनौतीपूर्ण है।

महादेव सट्टा केस : सौरभ–रवि का नाम हटवाने के लिए वकील को हवाला से दिए 180 करोड़

65 लाख रुपए मासिक फीस तय थी, ED की रिमांड अर्जी में बड़ा खुलासा, वकील हिमांशु 28 नवंबर तक रिमांड पर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महादेव ऑनलाइन सट्टा एप के प्रमोटरों का नाम केस से हटवाने के लिए दिल्ली के वकील हिमांशु शेखर उर्फ मोहित को हवाला के जरिए 180 करोड़ रुपए दिए गए थे। मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार हिमांशु को लेकर ईडी की रिमांड अर्जी में यह खुलासा हुआ है।

ईडी की प्रारंभिक जांच के मुताबिक हिमांशु खुद को ईडी अधिकारियों और न्यायपालिका में अच्छे संपर्क रखने वाला बताता था। उसने प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और शुभम सोनी को जांच अधिकारियों को मैनेज कर केस से नाम हटवाने का भरोसा दिलाया था। इसके लिए 65 लाख रुपए मासिक फीस तय की गई थी।

हिमांशु का दावा – तत्कालीन जांच अधिकारी संपर्क में थे

हिमांशु दावा करता था कि ईडी का तत्कालीन जांच अधिकारी उसके संपर्क में है। विधानसभा चुनाव 2023 से पहले शुभम सोनी का वीडियो जारी होने और जांच एजेंसी को ई–मेल से दस्तावेज भेजने में भी हिमांशु की भूमिका की जांच की जा रही है।

हिमांशु ने वकालत की पढ़ाई के बाद दिल्ली की एक कॉरपोरेट कंपनी में काम शुरू किया था। यह कंपनी कानूनी सलाह देने के साथ वकील भी उपलब्ध कराती है। वर्ष 2023 में वह महादेव सट्टा से जुड़े लोगों के संपर्क में आया। दुबई जाकर तीनों प्रमोटरों से मुलाकात की। उसी साल फेस के सिलसिले में पहली बार रायपुर भी आया था।

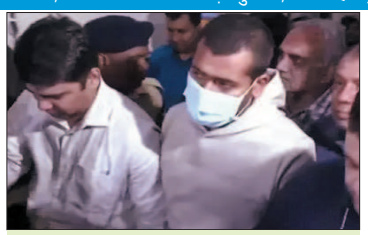

चुनाव से पहले रायपुर आया, अधिकारियों से की मुलाकात

ईडी की जांच के मुताबिक हिमांशु शुभम सोनी के लगातार संपर्क में था। विधानसभा चुनाव से पहले रायपुर आकर उसने अधिकारियों और न्यायपालिका से जुड़े लोगों से मुलाकात की थी। पुलिस अधिकारियों से भी उसके संपर्क थे। तेलीबांधा के एक होटल की पार्किंग से असीम दास की गिरफ्तारी के मामले में भी हिमांशु का नाम सामने आया था। असीम के वकील ने ईडी अधिकारी पर कार में पैसे रखने का आरोप लगाया था।

एक साल में कंपनी का राजस्व 52 लाख से बढ़कर 15.55 करोड़ हुआ

ईडी की जांच में हिमांशु की कंपनी यशाह मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के राजस्व में भी बड़ी वृद्धि का पता चला है। वित्तीय वर्ष 2022–23 में कंपनी का राजस्व 52.66 लाख रुपए था, जो 2023–24 में बढ़कर 15.55 करोड़ रुपए हो गया। यानी एक साल में राजस्व करीब 30 गुना बढ़ा। 31 मार्च 2025 तक कंपनी में हिमांशु की 75% हिस्सेदारी थी।

कंपनी ने 2025 में रेंज रोवर और थार खरीदने के लिए लोन भी लिया था। अक्टूबर 2026 में हिमांशु के बैंक खातों में 22.50 लाख, 58.50 लाख और 14.40 लाख रुपए जमा होने के मैसेज मिले हैं। 9 नवंबर को उसके खाते में 2.08 करोड़ रुपए थे। ईडी अब रकम के स्रोत, हवाला नेटवर्क, डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य सट्टा एप से उसके संभावित संबंधों की जांच कर रही है।

मोबाइल में मिले सौरभ के तीन नंबर, 473 एमबी का वीडियो

हिमांशु के जब्त मोबाइल में ईडी को 'महादेव बुक' के फिन्यू वाला 473 एमबी का वीडियो और सौरभ चंद्राकर के तीन मोबाइल नंबर मिले हैं। जांच में पता चला कि हिमांशु ने 3 अक्टूबर 2023 को दुबई के विला नंबर 45 में सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल, वसीम कुरैशी और सुमित कोचर से मुलाकात की थी। हिमांशु ने अपने बैंक खाते में वसीम से 25 लाख और प्रमोटरों से 40 लाख रुपए मिलने की बात स्वीकार की है। हालांकि, उसने इस रकम को पेशेवर फीस बताया है।

6 माह में नौ विदेश यात्राएं, किस्तों में भुगतान से जोड़कर जांच

इमिग्रेशन रिकॉर्ड के मुताबिक हिमांशु 21 से 25 अक्टूबर और 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2023 तक दुबई में था। दूसरी यात्रा के दौरान वकील सुमित कोचर भी उसी दिन दुबई के लिए रवाना हुए थे। दिसंबर 2023 से मई 2024 के बीच हिमांशु ने नौ विदेश यात्राएं कीं। इनमें सात यात्राएं मार्च तक ही हो चुकी थीं। ईडी इन यात्राओं को सौरभ चंद्राकर के इसी अवधि में किस्तों में रकम देने संबंधी बयान से जोड़कर देख रही है।

सीबीआई की जांच के दायरे में भी है वकील हिमांशु

महादेव सट्टा मामले में सीबीआई भी जांच अधिकारियों के खिलाफ लगे आरोपों की पड़ताल कर रही है। शिकायत है कि कुछ आरोपियों को राहत दिलाने और जांच की दिशा बदलने के लिए मोटी रकम ली गई थी। इसी मामले की जांच के दौरान हिमांशु शेखर का नाम सामने आया था। तब से यह सीबीआई की जांच के दायरे में है।

बता दें कि वकील हिमांशु को देश छोड़ने की आशंका पर जारी लुकआउट सर्कुलर के आधार पर 20 नवंबर को मुंबई एयरपोर्ट पर उसे दुबई जाते समय रोका गया। बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में अन्य प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद हिमांशु को दोबारा गिरफ्तार कर रायपुर लाया गया। सोमवार रात 10:15 बजे विशेष अदालत में पेश किया गया। वहां करीब ढाई घंटे चली सुनवाई के बाद 28 नवंबर तक के लिए ईडी की रिमांड पर सौंप दिया गया।

मुख्यमंत्री साय ने किया रेंज साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन का लोकार्पण



रुआबांधा पुलिस चौकी का भी उद्घाटन, 'संकल्प अभियान – नशा मुक्ति' का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई–दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवीन रेंज साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, दुर्ग के भवन और रुआबांधा पुलिस चौकी का लोकार्पण किया। साथ ही दुर्ग पुलिस के 'संकल्प अभियान – नशा मुक्ति' का भी शुभारंभ किया। महिला थाना सेक्टर–06, भिलाई के समीप लगभग 35 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन रेंज साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन भवन का मुख्यमंत्री ने फीता काटकर विधिवत लोकार्पण किया। लोकार्पण के पश्चात मुख्यमंत्री ने नवीन भवन का निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने विजिटर बुक में शुभकामना संदेश अंकित किया तथा रोजनामचा में भी कार्यक्रम की प्रविष्टि की।

तीन जिलों में करेगा काम

नवीन रेंज साइबर थाना दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा तीन जिलों के क्षेत्राधिकार में साइबर अपराधों की शिकायतों एवं जटिल मामलों की विवेचना करेगा। यहां ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया अपराध सहित तकनीक आधारित अपराधों की रोकथाम एवं डिजिटल साक्ष्यों के वैज्ञानिक विश्लेषण की सुविधा उपलब्ध होगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने दुर्ग पुलिस के नशामुक्ति अभियान 'संकल्प अभियान' का पोस्टर विमोचन कर शुभारंभ किया। नशे की समस्या का प्रभाव केवल कानून–व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवार, समाज एवं युवा पीढ़ी के भविष्य को भी प्रभावित करती है।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, मंत्री स्कूल शिक्षा एवं ग्रामोद्योग गजेंद्र यादव तथा सांसद दुर्ग विजय बघेल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में ललित चंद्राकर, उपाध्यक्ष राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग रिकेश सेन, विधायक वैशाली नगर तथा कमिश्नर सत्यनारायण राठौर सहित पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य दुर्ग रेंज, जिला दंडाधिकारी दुर्ग, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग एवं अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अभियान के तहत तीन स्तरीय कार्ययोजना लागू की जाएगी

जागरूकता एवं रोकथाम : गांव, वार्ड, शिक्षण संस्थानों एवं परिवारों तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाकर जनजागरूकता बढ़ाना।

प्रभावी पुलिस कार्रवाई : मादक पदार्थों एवं नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करना।

उपचार एवं पुनर्वास : नशे की गिरफ्त में आए व्यक्तियों को उपचार एवं पुनर्वास की सुविधाओं से जोड़ना।

हेल्पलाइन नंबर

– मानस हेल्पलाइन – 1933
– ए.एन.टी.एफ. दुर्ग हेल्पलाइन – 94791–5151
– साइबर ठगी होने पर तत्काल – 1930 पर संपर्क करें

स्कूल–कॉलेज के युवाओं को चिट्टा बेचने वाले नेटवर्क का खुलासा, 13 गिरफ्तार

70 ग्राम से ज्यादा हेरोइन सहित 40 लाख की सामग्री जब्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



सूखे नशे के विरुद्ध दुर्ग पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी है। स्कूल–कॉलेज के युवाओं को चिट्टा (हेरोइन) बेचने वाले नेटवर्क का खुलासा करते हुए थाना खुसीपार पुलिस ने 11 आरोपी एवं 02 अपचारी बालक सहित अब तक कुल 13 को गिरफ्तार किया है। इनसे 70.460 ग्राम हेरोइन सहित कुल 39,95,800 की सामग्री जब्त की गई है।

थाना खुसीपार में अपराध क्रमांक 431/2026, धारा 8, 21(ख), 27(क), 29 एनडीपीएस एक्ट एवं धारा 78 किशोर न्याय अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

ऐसे हुआ खुलासा

19 सितंबर 2026 को थाना खुसीपार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि जोन क्रमांक 03, जीरो स्ट्रीट, खुसीपार स्थित जसबीर कौर के मकान में अवैध रूप से हेरोइन का विक्रय किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। मौके से आरोपी महिला जसबीर कौर को पकड़ा गया। तलाशी में उसके कब्जे से 70.460 ग्राम हेरोइन कीमत 14,09,200, बिक्री रकम 2,35,100, सोने के 19 नग आभूषण कीमत 9,65,000, चांदी के आभूषण एवं बर्तन कीमत 1,80,000, 08 मोबाइल कीमत 1,30,000 तथा इलेक्ट्रॉनिक तराजू सहित कुल 29,22,300 की सामग्री जब्त की गई। विवेचना के दौरान गिरफ्तार आरोपियों के मेमोरेंडम कथनों एवं प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने लगातार पतासाजी कर एक के बाद एक नेटवर्क से जुड़े व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

24 नवंबर को 2 और गिरफ्तार

24 नवंबर 2026 को आरोपी रबेल सिंह एवं गौरव अहिरवार को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से चिट्टा बिक्री की रकम 3,500, 2 मोबाइल कीमत 70,000, हुंडई–20 कार क्रमांक CG-07-BG-6740 कीमत 10,00,000 सहित कुल 10,73,500 की सामग्री जब्त की गई।

गिरफ्तार आरोपी

19 सितंबर 2026: जसबीर कौर उर्फ सोनू (25), नितेश सोनी (32), तिरकेश निषाद (21), 2 अपचारी बालक

24 सितंबर 2026: गुरमीत सिंह उर्फ लक्की (21), हेमंत दयाल उर्फ राजू (32) 06 अक्टूबर 2026: आशीष कुमार शाह उर्फ कुक्कन (26)

अन्य: मनजी कुमार (19), रॉबी सिंह (19), ऋषि देव कुमार साहनी उर्फ ऋषि बाबा (30)

24 नवंबर 2026: रबेल सिंह (26), गौरव अहिरवार (21)

कुल जब्त सामग्री – 39,95,800, हेरोइन 70.460 ग्राम – 14,09,200 नगदी – 2,38,600, सोने के आभूषण 19 नग – 9,65,000, चांदी के आभूषण एवं बर्तन – 1,80,000, मोबाइल 10 नग – 2,00,000 हुंडई –20 कार –10,00,000 और इलेक्ट्रॉनिक तराजू – 3,000 शामिल हैं।

उक्त कार्रवाई में थाना खुसीपार के थाना प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण केवर्त एवं थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि अपने बच्चों की गतिविधियों एवं संगति पर विशेष ध्यान रखें। नशे के कारोबार की सूचना तत्काल निकटतम थाना अथवा डायल 112 पर दें, पहचान गोपनीय रखी जाएगी।



गाड़ाडीह में वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत जन चौपाल संवाद का हुआ आयोजन

कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए जनहित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग- सेतूद

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जामगांव- आर द्वारा वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत ग्राम गाड़ाडीह के स्व. केजूराम वर्मा चौक में मंडल स्तरीय जन चौपाल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रमुख रूप से शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए जनहित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सबसे बड़ी ताकत है। आज देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस पार्टी जनता के मताधिकार, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर आम जनता को जागरूक करने का आह्वान किया।

भूपेश बघेल ने आगे कहा कि वोट बचाओ, देश बचाओ केवल कांग्रेस पार्टी का अभियान नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने की जनआवाज है। आज लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का जागरूक होना आवश्यक है। मतदान की प्रक्रिया में पारदर्शिता और प्रत्येक



मतदाता के वोट की सुरक्षा सुनिश्चित होना लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है।

जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से किसान, युवा, मजदूर और आम जनता परेशान हैं। महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं पर सरकार के पास कोई ठोस जवाब नहीं है। कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर इन मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे और लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की ताकत गांव और बूथ स्तर पर है, इसलिए सभी कांग्रेसजन एकजुट होकर इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य नोमिन ठाकुर, पूर्व मंडी बोर्ड अध्यक्ष अश्वनी साहू, कौशल चंद्राकर, रूपेंद्र शुक्ला, देवकुमार निषाद, युगल किशोर आडिल, मंडल अध्यक्ष छोटू बघेल, दुलेश्वर साहू, विष्णु चंद्राकर, सेक्टर अध्यक्ष देवेंद्र गेडाम, अशोक महरिया, विजय साहू, तुलली चक्रधारी, सरपंच हुकुमचंद निषाद, निर्मला बंजारे, ढालसिंह चक्रधारी, रविन्द्र यदु, रिंकू चंद्राकर, रामाधार वर्मा, भुनेश्वर निषाद, प्रेमलाल यादव, राजेश वर्मा, दुर्योधन चंद्राकर, उमेश वर्मा, वेदप्रकाश साहू, रामकृपाल यादव, पालेश्वर ठाकुर, कल्याण सिंह ठाकुर, राजेंद्र गोस्वामी, अर्जुन चंद्राकर, रूपेश भट्ट, विजय जैन, नेमचंद यादव, अनीता भंडारे, विजय कोसरे, रीता ठाकुर, तिहारु महिपाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

खास खबर

कमीशन के लालच में साइबर ठगों को खाते देने वाले 8 म्यूल खाताधारकों पर कार्रवाई



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

लाखों के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा, पासबुक-एटीएम-चेकबुक और मोबाइल जब्त

साइबर अपराधों एवं म्यूल बैंक खातों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना नेवई, छावनी एवं एसीसीयू की संयुक्त कार्रवाई में कुल 08 खाताधारकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है। आरोपियों द्वारा 5,000 से 15,000 रुपये तक कमीशन के लालच में अपने एवं अन्य व्यक्तियों के बैंक खाते साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए जाते थे। थाना नेवई क्षेत्र के इंडसइंड बैंक के 06 तथा थाना छावनी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक के 02 खाताधारक कार्रवाई के दायरे में आए।

थाना नेवई के अपराध क्रमांक 596/2026 धारा 318(2), 318(3), 317(4) बीएनएस एवं थाना छावनी के अपराध क्रमांक 626/2026 धारा 318(2), 318(3), 317(4) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

ऐसे करते थे ठगी

जांच में सामने आया कि आरोपियों द्वारा कमीशन के लालच में अपने अथवा अन्य व्यक्तियों के बैंक खाते साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए जा रहे थे। इसके लिए एजेंटों के माध्यम से खाताधारकों से पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं मोबाइल सिम कार्ड प्राप्त कर साइबर अपराधियों तक पहुंचाए जाते थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित करने एवं प्राप्त करने के लिए किया गया। बैंक खातों के विश्लेषण में संबंधित खातों के माध्यम से लाखों रुपये से अधिक की संदिग्ध धनराशि का लेन-देन होना पाया गया।

इन पर हुई कार्रवाई

थाना नेवई - इंडसइंड बैंक के 06 खाताधारक, टोमन डहरे, 44 वर्ष, स्टेशन मरौदा, मिनीमाता पारा, थाना नेवई, अभय मिश्रा, 28 वर्ष, बाबादीप सिंह नगर, थाना वैशाली नगर, हरीशंकर सारथी, 28 वर्ष, चंडी मंदिर, कुआं चौक के पास, थाना दुर्ग, चेतन मांझी, 32 वर्ष, अंबेडकर आवास, जोरातराई, थाना उतई, देवराज साहू, 25 वर्ष, जवाहर चौक, मानस भवन, वार्ड 52, बोरसी, थाना पद्मनाभपुर, बिसेक शर्मा, 31 वर्ष, क्वार्टर 418, न्यू खुसीपार, थाना खुर्सीपार और थाना छावनी - आईसीआईसीआई बैंक के 02 खाताधारक अखिलेश सिंह, 32 वर्ष, फौजी नगर, हाउसिंग बोर्ड, थाना जामुल और अक्षय सक्सेना, 28 वर्ष, मीनाक्षी नगर, बोरसी, थाना पद्मनाभपुर शामिल हैं। आरोपियों से पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, मोबाइल फोन एवं अन्य दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

दुर्ग पुलिस ने अपील की है कि किसी भी व्यक्ति को कमीशन अथवा आर्थिक लाभ के लालच में अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक, मोबाइल सिम कार्ड अथवा बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी उपलब्ध न कराएं। साइबर अपराध की जानकारी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

गुरुनानक जयंती : गुरुद्वारा पहुंचे मंत्री यादव

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर स्टेशन रोड गुरुद्वारा पहुंचे मंत्री गजेन्द्र यादव, मत्था टेककर लिये गुरु साहिब का आशीर्वाद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर आज दुर्ग के स्टेशन रोड स्थित गुरुद्वारा में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव पहुंचे और उन्होंने गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेककर श्री गुरु नानक देव जी के समक्ष अरदास की तथा गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किये। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए सभी के जीवन में प्रेम, सद्भाव और सकारात्मकता बनी रहने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी का जीवन और उनके विचार संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपने उपदेशों के माध्यम से समाज को सत्य, ईमानदारी, समानता, प्रेम, करुणा और भाईचारे का संदेश दिया। उनके विचारों ने समाज में व्याप्त ऊंच-नीच, भेदभाव और सामाजिक कुरीतियों को दूर कर मानवता एवं समानता पर आधारित समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किये।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उनके विचार किसी एक समाज या समुदाय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रेम, सद्भाव और एकता के सूत्र में बांधने की प्रेरणा देते हैं। आज के समय में जब समाज को आपसी विश्वास, सामाजिक समरसता और भाईचारे की आवश्यकता है, तब गुरु साहिब की शिक्षाएँ और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमें गुरु नानक देव जी के बताए मार्ग पर चलते हुए जरूरतमंदों की सहायता, समाज के वंचित वर्गों की सेवा और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। उनके आदर्शों को अपने व्यवहार और दैनिक जीवन में अपनाकर ही हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर सकते हैं, जहां हर व्यक्ति को समान सम्मान, अवसर और अपनत्व प्राप्त हो।



मुख्यमंत्री साय गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व समारोह में हुए शामिल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज गुरु नानक देव जी की जयंती के अवसर पर गुरुद्वारा श्री सिंगसभा सेक्टर 6 में आयोजित प्रकाश पर्व समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा में मत्था टेका तथा पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष शीश नवाकर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रद्धाभाव से लंगर में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने भी गुरुद्वारा में मत्था टेका और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रकाश पर्व समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी गुरु नानक देव जी की जयंती मनाने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। यह हम सभी के लिए बड़े सौभाग्य का विषय है कि इस पावन अवसर पर पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष शीश नवाने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी की जयंती को हम सभी प्रकाश पर्व के रूप में मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने सिख समाज के संतजनों, समाज के सभी बंधुओं, माताओं-बहनों एवं युवा साथियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सिख समाज का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन हम सभी को निरंतर मिलता रहे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक रिकेश सेन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, भूपेन्द्र सवन्नि, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि सिख समाज के संतजन, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

दीपावली मिलन समारोह में वरिष्ठों ने मनाई दूसरी पारी की खुशियां



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ एवं वरिष्ठ नागरिक मंच कोहका के संयुक्त तत्वाधान में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन कर्माभवन कोहका में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिव्या भसीन, अध्यक्षता विजय साहू पूर्व क्रेडा सदस्य एवं विशेष अतिथि महेश वर्मा, संतोष मौर्या थे।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पुष्पमाला से और बैज लगाकर किया गया। तत्पश्चात्वरिष्ठ नागरिक मंच की उपाध्यक्ष नंदा वासनकर ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष गजानंद साहू ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों को दीपावली की शुभकामनाएँ प्रेषित की।

दूसरी पारी देश और समाज के लिए - विजय साहू : कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विजय साहू ने वरिष्ठ लोगों के मन में उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अब आप लोग अपने सम्पूर्ण दायित्वों का निर्वहन परिवार के प्रति करने के बाद यह दूसरी पारी आपकी प्रारंभ हो रही है जो देश के लिए एवं समाज के लिए है।

वरिष्ठों को पिता तुल्य बताया - दिव्या भसीन : कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिव्या भसीन ने इस अवसर पर अपने पिता स्वर्गीय विद्यारव भसीन को याद करते हुए सम्पूर्ण वरिष्ठ नागरिक समूह को पिता तुल्य बताया एवं अपने जन्म दिवस की शुभकामनाएँ देने के लिए सभी वरिष्ठों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को महेश वर्मा एवं संतोष मौर्या ने भी संबोधित किया।

आभार प्रदर्शन संस्था के उपाध्यक्ष बलवीर सिंह सहगल ने किया। कार्यक्रम का संचालन हल्दर गंगबेर ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक मंच एवं भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासभा के समस्त पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।



वरिष्ठजन कल्याण महासंघ ने चलाया वस्त्र दान अभियान, 600 से अधिक वस्त्र बांटे

जरूरतमंदों को ऊनी वस्त्र, कंबल और फल भेंट किए, बुजुर्गों ने दिया आशीर्वाद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वरिष्ठजन कल्याण महासंघ भिलाई ने वस्त्र दान अभियान चलाकर जरूरतमंदों को ठंड से बचने के लिए ऊनी वस्त्र, कपड़े एवं फल भेंट किए। समिति के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन एवं अभियान प्रभारी दिनेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में जनसहयोग से 600 से अधिक नए एवं अच्छे वस्त्र इकट्ठा कर अलग-अलग जगहों पर जाकर जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक प्रदान किया गया। कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दिवाली के अवसर पर रामशीला की कुटिया वृद्धाश्रम जुनवानी से इस अभियान की शुरूआत हुई।

कहां-कहां बांटे वस्त्र : महासंघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने साड़ियां, पैंट-शर्ट, टी-शर्ट, लोवर, ऊनी वस्त्र, कंबल, स्वेटर, जैकेट, चादर आदि वस्त्र, रामशीला



की कुटिया वृद्धाश्रम जुनवानी, आस्था वृद्धाश्रम सेक्टर-8, हनुमान मंदिर सेक्टर-9, साईबाबा मंदिर सेक्टर-6, हनुमान मंदिर वैशाली नगर और सड़क किनारे, चौक-चौराहों में भीख मांगने वाले, कचरा बीनने वाले, सफाई कर्मियों को प्रदान किए।

वस्त्रों के साथ ही फल भी भेंट किए गए। वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्ग महिलाओं ने साड़ी और बुजुर्गों ने गर्म कपड़े, पैंट-शर्ट, कुर्ता-पायजामा आदि मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए महासंघ के लोगों को खूब आशीर्वाद दिया। रामशीला की कुटिया वृद्धाश्रम जुनवानी के डायरेक्टर अजय सिंह कल्याणी एवं आस्था संस्था सेक्टर-2 के डायरेक्टर प्रकाश गेडाम ने अभियान की प्रशंसा करते हुए दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

आचार्य डॉ. महेशचंद्र शर्मा ने कहा - जरूरतमंद लोगों को वस्त्र दान करना पुण्य कार्य है। हर सक्षम व्यक्ति को आगे आकर यथायोग्य दान करना चाहिए।

डॉ. डीपी देशमुख ने कहा - भारतीय संस्कृति में वस्त्र दान को महादान माना गया है। उन्होंने कार्तिक पूर्णिमा, देव दिवाली एवं प्रकाश पर्व का महत्व प्रतिपादित किया।

वस्त्र दान करने वालों में अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा, डॉ. डीपी देशमुख, डॉ. एचआर वार्ष्णेय, दिनेश कुमार गुप्ता, आरपी वार्ष्णेय, गोपाल प्रसाद तिवारी, संतोष शुक्ला, अनिल कुमार गुप्ता, रामकुमार गुप्ता, एड्वोकेट रवि भटनागर, घनश्याम यादव, ओमप्रकाश साहू, सुरेश जैन, कांतिलाल विश्वकर्मा, श्रीमती सुमन देवांगन, शैलजा वार्ष्णेय, जयति साहू, छाया विश्वकर्मा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

महासंघ ने बताया कि दान से प्राप्त वस्त्रों की उपलब्धता के आधार पर यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

रूआबांधा में नवीन पुलिस चौकी का हुआ शुभारंभ

5 वार्डों की सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत, चोरी, मारपीट, नशे के अवैध कारोबार पर होगी सख्त कार्रवाई

नागरिकों को मिलेगी त्वरित पुलिस सहायता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

थाना भिलाई नगर क्षेत्रांतर्गत नवीन पुलिस चौकी रूआबांधा में नियमित पुलिस कार्य प्रारंभ हो गया है। 24 नवंबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चौकी का विधिवत उद्घाटन किया था। 25 नवंबर को पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात चौकी में नियमित कार्य शुरू किया गया। चौकी के अंतर्गत रूआबांधा बस्ती, मायानगर, एचसीएल कॉलोनी, सेक्टर क्षेत्र, एनएसपीसीएल कॉलोनी, तलपुरी ए एवं बी ब्लॉक, मंडी तथा नवनिर्माण कॉलोनी सी ब्लॉक सम्मिलित किए गए हैं।

उद्घाटन में मौजूद रहे जनप्रतिनिधि और अधिकारी

उद्घाटन अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विधायक ललित चंद्राकर, जनप्रतिनिधिगण, पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिकों सहित पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, सीएसपी निशांत पाटक, डीएसपी लाइन चंद्रप्रकाश तिवारी, रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा, थाना प्रभारी भिलाई नगर जितेंद्र वर्मा एवं चौकी प्रभारी पूर्ण बहादुर



सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। 25 नवंबर के कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू लोधी, महामंत्री दुशासन साहू सहित विभिन्न वार्डों के पार्षदगण एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

5 वार्डों को मिलेगा लाभ

पुलिस चौकी के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र दुर्ग ग्रामीण के वार्ड क्रमांक 01, 02, 03, 04 एवं 05 के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर पुलिस सहायता उपलब्ध होगी। क्षेत्र में चोरी, मारपीट, आपसी विवाद, नशे के अवैध कारोबार एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा शनिवार बाजार में बेहतर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

क्यों पड़ी चौकी की जरूरत

रूआबांधा क्षेत्र में छोटी-छोटी बातों को लेकर मारपीट, आपसी विवाद, चोरी, नशे के अवैध कारोबार एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों से संबंधित शिकायतें प्राप्त होती रही हैं। विशेष रूप से शनिवार बाजार में अत्यधिक भीड़ होने के कारण चोरी, विवाद एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती है। क्षेत्र की बढ़ती आबादी, भौगोलिक विस्तार एवं नागरिकों की सुरक्षा की आवश्यकताओं को देखते हुए पुलिस की स्थानीय उपस्थिति बढ़ाने, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से नवीन पुलिस चौकी प्रारंभ की गई है।

नागरिकों को मिलेंगे ये लाभ

क्षेत्र में पुलिस की नियमित उपस्थिति एवं सतत निगरानी सुनिश्चित होगी। छोटी घटनाओं एवं आपसी विवादों में तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध होगी। नशे के अवैध कारोबार एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध त्वरित वैधानिक कार्रवाई की जा सकेगी। चोरी, मारपीट एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम में सहायता मिलेगी। शनिवार बाजार में भीड़भाड़ के दौरान प्रभावी सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाने में सहयोग मिलेगा। नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई एवं पुलिस तक आसान पहुंच सुनिश्चित होगी।

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि, नशे के अवैध कारोबार, चोरी अथवा अन्य आपराधिक गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

चिट्ठा तस्करी में फरार आरोपी मंडला से गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अवैध सूखे नशे के खिलाफ दुर्ग पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी है। प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) की बिक्री के लिए ग्राहक तलाशने वाले प्रकरण में फरार आरोपी वैभव सोनी को पुलिस ने मध्यप्रदेश के मंडला से गिरफ्तार कर NDPS एक्ट के तहत न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

18 जुलाई 2026 को थाना सुपेला पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति लाल रंग की कार में कोसानगर-गांधीनगर क्षेत्र में अवैध रूप से मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) रखकर बिक्री हेतु ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर वैधानिक कार्यवाही की थी।

कार्यवाही के दौरान आरोपी मोहम्मद इमियाज उर्फ सरफराज एवं मोहम्मद फैजान के कब्जे से कुल *08.85 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), दो मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त लाल रंग की कार क्रमांक CG 07 CV 3587 जब्त की गई थी। इस संबंध में थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1018/2026, धारा 08, 21 NDPS एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था।



प्रकरण में संलिप्त फरार आरोपी वैभव सोनी की लगातार पतासाजी की जा रही थी। पुलिस टीम ने प्राप्त सूचना एवं तकनीकी जानकारी के आधार पर मध्यप्रदेश के मंडला में दबिश दी, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी को दुर्ग लाकर विधिवत गिरफ्तारी की कार्यवाही पूर्ण करने के पश्चात 24 नवंबर 2026 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपी में वैभव सोनी, उम्र 25 वर्ष, निवासी एचआईजी 2853, हाउसिंग बोर्ड जामुल, थाना जामुल, जिला दुर्ग। पूर्व में गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद इम्तियाज उर्फ सरफराज, उम्र 27 वर्ष, निवासी पिलिया गली, शिव मंदिर के पास, केलाबाड़ी, थाना पद्मनाभपुर, जिला दुर्ग और मोहम्मद फैजान, उम्र 27 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 08, श्री सुंदरम के पास, तकियापारा, थाना दुर्ग, जिला दुर्ग। उनसे जब्त मशरूका में - कुल 9,94,000 रुपए, हेरोइन (चिट्टा) 02.65 ग्राम - कीमत 53,000 रुपए, हेरोइन (चिट्टा) 06.20 ग्राम - कीमत 1,24,000 रुपए, मोबाइल - 7,000 रुपए, Motorola मोबाइल - 10,000 रुपए और लाल रंग की कार - 8,00,000 रुपए शामिल हैं।

उक्त कार्यवाही में थाना सुपेला के थाना प्रभारी निरीक्षक एस.एन. सिंह, सहायक उप निरीक्षक अमर दास गंगेले, आरक्षक प्रदीप सिंह एवं मिथलेश साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, बिक्री एवं सेवन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

वायरल वीडियो के विवाद में आया नया मोड़, महिला ने पति-ससुराल पक्ष पर लगाया साजिश का आरोप

पार्षद व भाजपा जिला मीडिया प्रभारी के साथ नाम जोड़कर वायरल किए गए अधूरे वीडियो को बताया सच्चाई से परे, एसपी कार्यालय पहुंचकर पिंकी सोनी ने पति, सास व देवर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर

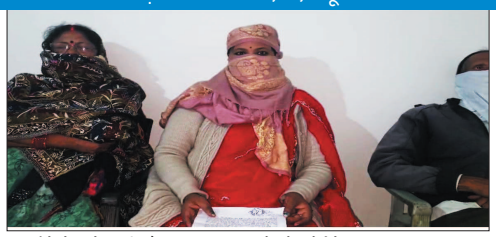

नगर के वार्ड क्रमांक 03 के पार्षद एवं भाजपा जिला मीडिया प्रभारी को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और उससे जुड़े कथित चरित्र संबंधी आरोपों के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। वायरल वीडियो के जरिए पार्षद और संबंधित महिला के चरित्र को लेकर सोशल मीडिया पर जिस तरह की चर्चाएं और आरोप-प्रत्यारोप सामने आए थे, उससे दोनों की सामाजिक छवि को लेकर भी सवाल खड़े हुए थे। लेकिन अब महिला ने अपने स्वजनों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत सौंपते हुए पूरे घटनाक्रम को पूर्व से चले आ रहे पारिवारिक विवाद का हिस्सा बताया है।

उसने आरोप लगाया है कि उसके पति राजेश सोनी, सास बसंती सोनी और देवर रूपेंद्र सोनी ने षड्यंत्रपूर्वक अधूरा वीडियो तैयार करवाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कराया, ताकि उसका चरित्र हनन किया जा सके। महिला ने वीडियो को सच्चाई से परे बताते हुए पति और ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना, धमकी और बदनामी के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस शिकायत के बाद वायरल वीडियो प्रकरण ने नया मोड़ ले लिया है और अब पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है।

पारिवारिक विवाद सुलझाने बुलाया था पार्षद को : एसपी को सौंपे गए आवेदन में पिंकी सोनी ने बताया कि उसका विवाह 18 जून 2012 को राजेश सोनी के साथ हुआ था। उनका एक पुत्र भी है। महिला के अनुसार, पति और ससुराल पक्ष के साथ उसका कई वर्षों से पारिवारिक विवाद चल रहा है। इसी विवाद के निराकरण और सहयोग के लिए उसने 21 नवंबर की रात पार्षद मुकेश गर्ग को फोन कर बुलाया था।

महिला का कहना है कि मुकेश गर्ग को उसके पारिवारिक विवाद की पूर्व से जानकारी थी और पूर्व में कई बार पति-पत्नी को समझाने आए हैं, कई सामाजिक बैठकों में भी वे रहकर दोनों पक्षों को समझाइश दे चुके थे। उस दिन उसकी तबीयत खराब थी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण वह मानसिक तनाव में थी। पति द्वारा निर्वाह भत्ता नहीं दिए जाने तथा उसके चरित्र को लेकर तरह-तरह के आरोप लगाए जाने से भी वह परेशान थी।

दरवाजा बंद कर विवाद करने और मारपीट की कोशिश का आरोप : महिला ने शिकायत में आरोप लगाया है कि मुकेश गर्ग के पहुंचने के कुछ देर बाद उसका पति राजेश सोनी अपनी मां बसंती और भाई रूपेंद्र के साथ वहां पहुंचा और षड्यंत्र रचकर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद महिला ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर घटना की जानकारी दी और पेट्रोलिंग पार्टी को भी बुलाया।

महिला का आरोप है कि इसी दौरान उसके पति और देवर ने बाहर से बंद दरवाजा खोलने के बजाय गाली-गलौज की तथा देवर लोहे की रॉड से दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा और उसका दुपट्टा पकड़कर खींचा। मौके पर मौजूद मुकेश गर्ग ने बीच-बचाव किया।

वीडियो वायरल कराने का आरोप : पिंकी सोनी ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि विवाद के दौरान उसके पति ने अपने मित्र परिजन को फोन कर मौके पर बुलाया। इसके बाद उसके पति, देवर और अन्य ने मुकेश गर्ग के साथ भी अभद्रता की तथा वीडियो वायरल करने की धमकी दी। महिला का दावा है कि इसी घटनाक्रम का अधूरा वीडियो सच्चाई से उलट तरीके से प्रसारित कर उसके और मुकेश गर्ग के नाम को जोड़कर बदनाम किया जा रहा है। उसने आरोप लगाया कि वीडियो के माध्यम से उसके चरित्र पर लांछन लगाए गए, जिससे उसे सामाजिक और मानसिक रूप से गहरी प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है।

हत्या की आशंका जताई, कार्रवाई की मांग : महिला ने शिकायत में पति, सास और देवर से जान का खतरा होने की आशंका भी जताई है। उसका कहना है कि पूर्व में भी वह पति और ससुराल पक्ष के विवाद को लेकर थाने में मौखिक और लिखित शिकायत कर चुकी है। अब उसने एसपी से पूरे घटनाक्रम की जांच कराने, सोशल मीडिया पर वायरल किए गए वीडियो की वास्तविकता सामने लाने तथा पति राजेश सोनी, सास बसंती सोनी और देवर रूपेंद्र सोनी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

अब जांच पर टिकी निगाहें : सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद शुरू हुआ यह विवाद अब दो पक्षों के आरोपों के बीच उलझ गया है। एक ओर वीडियो के आधार पर पार्षद और महिला को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हुईं, वहीं दूसरी ओर महिला ने इसे वर्षों से चले आ रहे पारिवारिक विवाद से जोड़ते हुए सुनियोजित बदनामी का आरोप लगाया है। ऐसे में पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाने के लिए उपलब्ध साक्ष्यों की जांच महत्वपूर्ण होगी। फिलहाल महिला की शिकायत के बाद मामले में नया मोड़ आ गया है। अब देखना होगा कि पुलिस जांच में वायरल वीडियो के पीछे की वास्तविक परिस्थितियां और लगाए गए आरोपों की सच्चाई क्या सामने आती है।

खास खबर

रिपोर्ट वापस लेने के लिए दी जान से मारने की धमकी, अज्ञात नंबर से गाली-गलौज का आरोप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आजाद चौक थाना क्षेत्र में रिपोर्ट वापस लेने के लिए धमकी देने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता विजय जेठानी की शिकायत पर थाना आजाद चौक में FIR क्रमांक 0319 दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 और 351(4) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध कायम किया है। शिकायत के अनुसार, विजय जेठानी हनुमान मंदिर के पास, अवधियापारा, आजाद चौक का निवासी है और प्रकाश भोजनालय, फल मंडी, लालपुर का संचालक है।

21 नवंबर की रिपोर्ट के बाद आया धमकी भरा फोन : विजय जेठानी ने बताया कि 21 नवंबर 2026 को उसने अनुज तलमले एवं मोहित नामक व्यक्ति के विरुद्ध थाना आजाद चौक में गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्का से मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि 22 नवंबर 2026 को दोपहर 12:56 बजे उसके मोबाइल नंबर 8718834545 पर अज्ञात मोबाइल नंबर 9329055550 से फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने अपने आप को अज्ञात शेख होना बताया तथा 21 नवंबर की रिपोर्ट को वापस लेने के लिए दबाव बनाकर गंदी-गंदी गालियां देने लगा।

मना करने पर जान से मारने की धमकी : शिकायतकर्ता का आरोप है कि गालियां देने से मना करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में उसने प्रथम अग्रवाल और हर्ष सोनी को बताया। इसके बाद 24 नवंबर 2026 को शाम 6:56 बजे थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। देरी का कारण सलाह के बाद रिपोर्ट करना बताया गया है। पुलिस ने शिकायत पर FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी मोबाइल नंबर के धारक की पहचान के लिए जांच की जा रही है।

रायगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार पर लिया बड़ा एक्शन, 28 टन लोहे का कबाड़ जब्त

रायगढ़। जिले में ऑपरेशन प्रहार के तहत कोतवाली पुलिस ने लाखा केलो डेम के पास बड़ी कार्रवाई करते हुए 28 टन लोहे के कबाड़ से भरा ट्रक पकड़ा है। जब्त कबाड़ की अनुमानित कीमत करीब 9 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने कबाड़ सहित ट्रक को जब्त कर वाहन चालक के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है। रायगढ़ पुलिस अवैध कबाड़ परिवहन और चोरी की संपत्ति के कारोबार पर लगातार निगरानी रख रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 नवंबर 2026 को कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक अमित तिवारी को मुखबिर से एक ट्रक में अवैध रूप से लोहे का कबाड़ भरकर परिवहन किए जाने की सूचना मिली थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध ट्रक क्रमांक RJ 02 GB 1654 को रोककर जांच की। ट्रक चालक की पहचान अब्दुल वहाब पिता अब्दुल मुनाब, उम्र 50 वर्ष, निवासी गदियामेश, थाना हकलेरा, जिला झालावाड़, राजस्थान के रूप में हुई। पुलिस ने वाहन चालक से ट्रक में लोड सामान के संबंध में पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान चालक गोलमोल जवाब देने लगा, जिससे संदेह और बढ़ गया। इसके बाद पुलिस टीम ने तिरपाल से ढके ट्रक की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में बड़ी मात्रा में लोहे के टुकड़े और टीन का सामान भरा हुआ मिला। पुलिस ने चालक से कबाड़ के परिवहन और उसके स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज मांगे। हालांकि, चालक कबाड़ के संबंध में कोई संतोषजनक दस्तावेज अथवा जवाब प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने ट्रक में लोड कबाड़ का वजन कराया, जिसमें कुल 28 टन लोहे का कबाड़ होना पाया गया। बरामद कबाड़ की अनुमानित कीमत करीब 9 लाख रुपये आंकी गई है। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने ट्रक सहित पूरे कबाड़ को जब्त कर लिया। वाहन चालक के विरुद्ध इस्तगासा क्रमांक 08/2026, धारा 35(क)(ड) बीएनएसएस एवं 303(2) बीएनएस के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

माता कौशल्या की जन्मभूमि व प्रभु श्रीराम के ननिहाल में श्री राम कथा का आयोजन हम सभी के लिए सौभाग्य का विषय - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया श्री राम कथा का रसपान



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भिलाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस्पात नगरी भिलाई के सेक्टर-2 में आयोजित श्री राम कथा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने व्यासपीठ को नमन कर विश्वविख्यात कथाव्यास पूज्य संत चिन्मयानंद बापू जी से आशीर्वाद लिया तथा श्रद्धालुओं के साथ बैठकर भक्तिभाव से श्रीराम कथा का रसपान किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरू नानक देव जी की जयंती प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने माता कौशल्या की जन्मभूमि एवं प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में पूज्य संत चिन्मयानंद बापू जी का समस्त प्रदेशवासियों की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस्पात नगरी भिलाई में विगत आठ दिनों से श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। पूज्य बापू जी के श्रीमुख से श्रीराम कथा का रसपान करने का अवसर मिलना हम सभी के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रभु श्रीराम से गहरा आध्यात्मिक एवं भावनात्मक संबंध है। प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास काल का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में व्यतीत किया है। प्रदेश में अनेक ऐसे पवित्र स्थल हैं, जो प्रभु श्रीराम के वनवास काल की स्मृतियों से जुड़े हुए हैं। राजिम के त्रिवेणी संगम में स्थित कुलेश्वर महादेव मंदिर के संबंध में मान्यता है कि प्रभु श्रीराम एवं माता सीता ने अपने कल्पवास काल में शिवलिंग की स्थापना की थी। चंदखुरी में माता कौशल्या का मंदिर स्थित है। राम वन गमन पथ से जुड़े अनेक स्थल छत्तीसगढ़ की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। यह छत्तीसगढ़वासियों के लिए विशेष हर्ष एवं गौरव का विषय है, क्योंकि छत्तीसगढ़वासी प्रभु श्रीराम को अपना भांजा मानते हैं। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन कराने के लिए श्री रामलला दर्शन योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत अब तक 55 हजार से अधिक श्रद्धालु लाभान्वित हो चुके हैं। प्रत्येक संसाह अम्बिकापुर, बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग से विशेष ट्रेन के माध्यम से लगभग 850 श्रद्धालुओं को अयोध्या ले जाकर श्री रामलला के दर्शन कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी में पूर्व में आयोजित श्रीराम कथा का स्मरण करते हुए कहा कि पूज्य संत चिन्मयानंद बापू जी का स्नेह एवं आशीर्वाद निरंतर छत्तीसगढ़ को प्राप्त हो रहा है। उन्होंने जनवरी 2027 में रायपुर में आयोजित होने वाली श्रीराम कथा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा के श्रवण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्रीराम एवं माता सीता से सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक रिकेश सेन, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, प्रेम प्रकाश पांडेय, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, जीवन आनंद फाउंडेशन के अध्यक्ष विनोद सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

50 लाख मीट्रिक टन चावल जमा नहीं, यह सुनियोजित भ्रष्टाचार है - दीपक बैज



कांग्रेस ने श्वेत पत्र की मांग की, निकाय मतदाता सूची में गड़बड़ी का भी लगाया आरोप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए राज्य सरकार पर बड़े भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 2025-26 में सरकार ने समर्थन मूल्य में जो धान खरीद कर राईस मिलरों को मीलिंग के लिए दिया था, उसमें से 50 लाख मीट्रिक टन चावल लगभग 56 प्रतिशत चावल राईस मिलरों ने सरकार के पास जमा नहीं किया है। बैज ने कहा कि इसका मतलब है कि सरकार ने भी इतना ही चावल एफसीआई के पास जमा नहीं किया है। जब सरकार ने चावल एफसीआई में जमा नहीं किया है तो एफसीआई ने उसका पेमेंट भी राज्य सरकार को नहीं दिया है।

ब्याज का भार सरकारी खजाने पर : बैज ने बताया कि सरकार मार्कफेड के माध्यम से बैंकों से ऋण लेकर धान की खरीदी करती है। जब एफसीआई के पास चावल जमा करने पर भुगतान प्राप्त होता है, तब मार्कफेड इस ऋण का भुगतान ब्याज के साथ करती है। यदि सरकार ने एक साल तक चावल जमा नहीं किया तो इसका ब्याज का भार सरकारी खजाने पर पड़ेगा।

श्वेत पत्र जारी करे सरकार : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह एक सुनियोजित भ्रष्टाचार है, इसमें सरकार शामिल है। हमारी मांग है कि सरकार 2025-26 के चावल जमा करने के पूरे आंकड़े पर श्वेत पत्र जारी करे।

निकायों की मतदाता सूची में गड़बड़ियां - बैज : बैज ने कहा कि आसन्न नगरीय निकाय चुनाव में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है। मतदाताओं के बड़ी संख्या में नाम काटे गए हैं। नए मतदाताओं के नाम जोड़ने में गड़बड़ी की गई है। प्रदेश में 25 से 30 हजार नए मतदाताओं के नाम नहीं जुड़ पाए हैं। जेनेजी मतदाताओं को मतदान से वंचित करने की साजिश की गई है।

इसके अलावा बिरगांव नगर निगम में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम एसआईआर के नाम पर काटे गए हैं। मतदाताओं के नाम बिना परिसीमन किए इस वार्ड से उस वार्ड इधर-उधर किए गए हैं। यह सब सत्ता में काबिज भाजपा के द्वारा किया गया है। चुनाव आयोग में जो काम करते हैं, सब सरकारी अधिकारी-कर्मचारी हैं और सरकार के दबाव में इस प्रकार की गड़बड़ियां कर रहे हैं।

बैज ने कहा कि ऐसे में कैसे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हो पाएगा, मतदाता सूची में गड़बड़ी हो रही है। वोट चोरी का दूसरा रूप आसन्न नगरीय निकाय चुनाव में देखने को मिल रहा है।

उन्होंने सवाल उठाए

सरकार बताए कि क्यों राईस मिलरों से चावल अभी तक जमा नहीं हुआ? जब अभी तक पिछले वर्ष का चावल जमा नहीं हुआ तो इस वर्ष के धान का उठाव कैसे होगा?

जिन मिलरों ने पिछले वर्ष का चावल जमा नहीं किया, सरकार उनके खिलाफ क्या कार्रवाई करने जा रही है?

जिन मिलरों ने चावल नहीं जमा किया, क्या सरकार उनको इस वर्ष मीलिंग के लिए धान देगी?

गांजा के साथ अंतर्राज्यीय महिला तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना डी.डी. नगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 12 किलोग्राम गांजा के साथ अंतर्राज्यीय महिला तस्कर सोनाली मोटे को गिरफ्तार किया गया है। जब्त मादरूके की कुल कीमत लगभग 6,00,000 रुपए है। पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) रॉबिन्सन गुरिया के संयुक्त मॉनिटरिंग में यह कार्रवाई की गई।

राजनीति पंजाब में भाजपा-अकाली दल फिर साथ

उत्तर प्रदेश से पंजाब तक बदली सियासी बिसात: सपा-कांग्रेस में सीटों पर रार

आलोक तिवारी / नईदिल्ली-लखनऊ-चंडीगढ़

आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच देश की राजनीति में दो बड़े घटनाक्रम सामने आए हैं। एक तरफ उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान तेज हो गई है, तो दूसरी तरफ पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल ने एक बार फिर साथ मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। दोनों राज्यों के घटनाक्रम आने वाले लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष और सत्ता पक्ष की रणनीति को नए सिरे से तय करेंगे।

यूपी में सपा के 26 सीटों के ऑफर पर कांग्रेस में नाराजगी : उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सपा और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर दूसरे दौर की बातचीत में पेंच फंसता नजर आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती दौर में ज्यादा सीटों की दावेदारी कर रही कांग्रेस को समाजवादी पार्टी ने पहली मुलाकात में महज 26 सीटों का प्रस्ताव दिया है।

कांग्रेस खेमे में इस प्रस्ताव को लेकर नाराजगी है और पार्टी नेताओं का मानना है कि बातचीत कम से कम 67 सीटों से शुरू होनी चाहिए, जबकि सम्मानजनक समझौते के लिए इससे अधिक सीटों की अपेक्षा की जा रही है। कांग्रेस ने सोमवार को 130 सीटों की सूची सौंपी थी। इसी बीच, सपा ने मंगलवार देर शाम 5 प्रत्याशी घोषित कर दिए।

सपा का फॉर्मूला: जीतने की क्षमता ही आधार : लखनऊ से सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने साफ संदेश दिया है कि गठबंधन का मुख्य उद्देश्य सीटों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि चुनाव जीतना है। उन्होंने कहा कि दोनों दलों को एक-दूसरे को समायोजित करते हुए जीत की संभावना के आधार पर सीटें तय करनी चाहिए। उन्होंने सीट बंटवारे के बजाय 'सीट समायोजन' पर जोर देने की बात कही।

वहीं, सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने भी संकेत दिए हैं कि कांग्रेस को उसकी जमीनी स्थिति और जीतने की क्षमता के अनुसार ही सीटें दी जाएंगी। सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने कहा कि कांग्रेस को 26 सीटें ऑफर की हैं। इनमें से 2 सीटें कांग्रेस ने 2022 में जीती थीं। 4 पर दूसरे स्थान पर रही थी। 20 पर कांग्रेस को दो हजार तक वोट मिले थे, यहां जमानत जब्त हुई थी।

सपा सांसद एसपी सिंह पटेल ने भी कहा कि कांग्रेस को 26 सीटों के प्रस्ताव पर सहमत हो जाना चाहिए, क्योंकि गठबंधन में इन सीटों पर उसकी जीत की संभावना मजबूत रहेगी।

26 सीटों की संभावित सूची पर उठे सवाल : सपा के इस प्रस्ताव में 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा जीती गई 2 सीटों और दूसरे नंबर पर रही 4 सीटों को मिलाकर कुल 26 सीटों का खाका तैयार किया गया है। चर्चा में आई इस सूची में बागपत, हापुड़, जेवर, सिसाना, खुर्जा, खैर, इगलास, मांट, आगरा उत्तर, फतेहपुर सीकरी, मल्लावा, गोविंद नगर (कानपुर), नानपारा, गोरखपुर सदर, खजनी, पडरौना, फाजिलनगर, पिंडरा, वाराणसी कैंट और जगदीशपुर जैसी सीटें शामिल बताई जा रही हैं।

इस सूची में सहारनपुर जिले की एक भी सीट शामिल न होने और गांधी परिवार के गढ़ माने जाने वाले रायबरेली व अमेठी से केवल जगदीशपुर सीट होने को लेकर सियासी हलकों में चर्चा तेज है। हालांकि, कांग्रेस की ओर से बातचीत में शामिल राजेंद्र पाल गौतम और आराधना मिश्रा ने ऐसी किसी आधिकारिक सूची से इनकार किया है।

राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर हुई करीब तीन घंटे की बैठक के बाद दोनों दलों के नेताओं ने दावा किया कि सीटवार चर्चा सकारात्मक दिशा में बढ़ रही है और अगली दो बैठकों में अंतिम सहमति बन जाएगी।



सपा ने मंगलवार देर शाम बेहट से उमर अली खान, सहारनपुर से आशु मलिक, कैराना से जाहिद हसन, अमरोहा से महबूब अली और ललितपुर से ज्योति लोधी को उम्मीदवार बनाया है।

पंजाब में भाजपा-अकाली दल का पुनर्मिलन, बड़े भाई की भूमिका में अकाली दल : उधर, पंजाब की राजनीति में बड़ा उलटफेर करते हुए भाजपा और शिरोमणि अकाली दल ने एनडीए के तहत दोबारा गठबंधन की औपचारिक घोषणा कर दी है। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में इस गठबंधन का ऐलान किया गया। इस मौके पर पंजाब भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद रहे, हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह मंच पर नजर नहीं आए।

अंदरूनी सर्वे के बाद बदली भाजपा की रणनीति : शुरूआत में भाजपा पंजाब की सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही थी। लेकिन राजनीतिक जानकारों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल द्वारा पंजाब में कराए गए जमीनी सर्वे और आकलन के बाद रणनीति में बदलाव किया गया। रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि दोनों दलों के अलग-अलग लड़ने से चुनावी नुकसान हो सकता है, जबकि साथ आने पर मजबूत मुकाबला दिया जा सकता है। इसी के बाद दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच संवाद शुरू हुआ और गठबंधन पर मुहर लगी।

अकाली दल के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव : संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह ने स्पष्ट किया कि पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर दोनों दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे और गठबंधन में शिरोमणि अकाली दल स्वाभाविक रूप से 'बड़े भाई' की भूमिका में रहेगा, यानी मुख्यमंत्री पद पर उसी का दावा होगा। किसान आंदोलन और पुराना गठबंधन तोड़ने से जुड़े सवालों पर अमित शाह ने कहा कि कृषि कानून रद्द होने के बाद अब कोई मुद्दा शेष नहीं बचा है और यह गठबंधन पंजाब में हिंदू-सिख एकता और विकास को मजबूत करेगा।

शाह ने कहा कि नशा खत्म करना, किसान कल्याण और हिंदू-सिख एकता पर दोनों दल काम करेंगे। सुखबीर ने कहा कि पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल की 100वीं जयंती पर 8 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी पंजाब पहुंचेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े : तीन कृषि कानूनों के विरोध में शिअद ने 2020 में एनडीए से 24 साल पुराना नाता तोड़ा था। भाजपा-शिअद 1997, 2007 व 2012 में जीतकर 15 साल सत्तारूढ़ रहे। अलग होने के बाद 2022 के विधानसभा व 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन कमजोर रहा। विधानसभा में भाजपा 2 सीटों पर सिमट गई। लोकसभा में भाजपा का खाता नहीं खुला, शिअद 1 सीट जीती। 2017 के विधानसभा चुनाव में शिअद को 25.24% और भाजपा को 5.39% वोट मिले थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट शेयर 18.56% हो गया, जबकि शिअद का 13.42% रह गया। एक सीट जीते शिअद को सिर्फ 9 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली, जबकि खाता न खुलने के बावजूद भाजपा को 23 सीटों पर बढ़त मिली थी। 2024 के चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को करीब 26-26% वोट मिले। शिअद-भाजपा का कुल वोट शेयर करीब 32% था।

विशेषज्ञ की राय : राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के खिलाफ एक मजबूत विकल्प खड़ा करने के उद्देश्य से भाजपा ने यह कदम उठाया है, ताकि राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई जा सके या त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में निर्णायक भूमिका निभाई जा सके।

प्रो. संजय कुमार, सीएसडीएस के अनुसार, दोनों दल अपने वोट एक-दूसरे को ट्रांसफर करवा पाए तभी राज्य में त्रिकोणीय मुकाबला कड़ा होगा। भाजपा और शिअद अलग-अलग लड़ते तो संभावना बहुत अच्छी नहीं थी। एक साथ ये मजबूत ताकत के रूप में उभरेंगे। शहरी क्षेत्रों और हिंदू वोटों पर भाजपा की पकड़ है, वहीं ग्रामीण और सिख वोटों पर शिअद की।

संपादकीय

हकीकत यही है कि बदलाव जनता करती है

किसी प्रदेश में सत्ता कई स्तरों पर रहती है और हर जगह सत्ता में कौन रहेगा या कौन नहीं रहेगा इसका फैसला तय समय पर प्रदेश की जनता करती है। हर स्तर पर राजनीतिक सत्ता में बदलाव के कई कारण होते हैं लेकिन एक कारण तो यही मौटे तौर पर माना जाता है कि जनता जब किसी राजनीतिक दल से नाराज होती है तो वह अपनी नाराजगी को चुनाव के जरिए व्यक्त करती है। इसीलिए चुनाव में हार जीत से ही माना जाता है कि स्तर पर जनता किस राजनीतिक दल से नाराज है। जिसे जनता सत्ता से हटाती है, माना जाता है कि जनता उसके कामकाज से खुश नहीं थी इसलिए उसे सत्ता से हटा दिया। इस मामले में जनता का हर स्तर पर संदेश अलग अलग भी हो सकता है। जैसे राजस्थान में हाल ही में पंचायत चुनाव में भाजपा की हार हुई है,उसे कम सीटें पर जीत मिली है तो इसका मतलब साफ है कि गांव के स्तर पर जनता भाजपा नेताओं से नाराज है, भाजपा सरकार के कामकाज से नाराज है इसलिए उसने कांग्रेस को पंचायतों की सत्ता सौंप दी है।

राजस्थान के 37 जिलों में आए पंचायत चुनाव परिणाम भाजपा के लिए अहम हैं। जिला परिषद और पंचायत समिति के नतीजों में कांग्रेस ने भाजपा से कहीं अधिक सीटें हासिल कीं। पंचायत समिति के 7,543 वार्डों में कांग्रेस ने 3,758 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 2,213 सीटों पर सिमट गई। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 497 और भारत आदिवासी पार्टी को 278 सीटें मिलीं। जिला परिषद की 1,275 सीटों में भी कांग्रेस ने 794 और भाजपा ने 357 सीटें हासिल कीं। 37 जिलों में से 23 में कांग्रेस को बहुमत मिला, जबकि भाजपा पांच जिलों में बहुमत हासिल कर सकी। आठ जिलों में निर्दलीय निर्णायक स्थिति में रहे। राजस्थान में पंचायत चुनावों का परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां गांवों का राजनीतिक संदेश सीधे प्रदेश की सत्ता और संगठन के कामकाज से जुड़ता है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में बड़े नेताओं के चेहरे तथा राष्ट्रीय मुद्दे प्रभाव डाल सकते हैं, लेकिन पंचायत चुनावों में स्थानीय संपर्क, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, प्रत्याशियों की स्वीकार्यता और क्षेत्रीय समस्याएं निर्णायक भूमिका निभाती हैं।कांग्रेस का 23 जिलों में बहुमत हासिल कर विस्तार और भाजपा का केवल पांच जिलों में सिमटना प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम है। जिला परिषदों में कांग्रेस की 794 और भाजपा की 357 सीटों का अंतर भी इसे स्पष्ट करता है।

राजस्थान ही नहीं किसी भी प्रदेश में सत्ता की राजनीति केवल राजधानी के सचिवालय और दिल्ली के पार्टी मुख्यालय से नहीं चलती। उसकी असली परीक्षा गांवों की चौपाल, किसानों के खेत, कस्बों के बाजार और आम आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं के बीच होती है। लोकसभा चुनाव के बाद शहरी निकायों के चुनाव में भाजपा को ज्यादा सीटें मिली थीं और साफ हो गया था कि शहरी स्तर पर भाजपा मजबूत है लेकिन उसके बाद और पंचायत चुनावों के नतीजे राजस्थान में भाजपा के सामने केवल विपक्ष की चुनौती नहीं है, बल्कि अपने संगठन, अपने नेताओं और अपने जमीनी जनाधार को साथ लेकर चलने की भी बड़ी चुनौती है इसे मोटे तौर पर राजस्थान के सीएम व सरकार की असफलता माना जाएगा। इसका दो ही परिणाम हो सकता है कि एक सीएम भजनलाल को मौका दिया स्थिति सुधारने का या फिर उनको हटाकर किसी दूसरे को चुनाव के पहले सीएम बनाकर स्थिति को सुधारने का प्रयास किया जाए।

राजस्थान की जीत से कांग्रेस के सबसे बड़े मुद्दे वोट चोरी की पोल खुल जाती है क्योंकि राजस्थान में तो भाजपा सरकार और कांग्रेस का ही आरोप रहा है कि भाजपा हर चुनाव वोट चोरी कर जीतती है तो राजस्थान में भाजपा अपनी सरकार रहने के बाद भी वोट चोरी कर अपनी कब्जा पंचायतों में बरकरार क्यों नहीं रख पाई इसका कोई जवाब कांग्रेस ने न पहले दिया है और न अब देगी। लेकिन इससे साफ हो गया है कि कांग्रेस वोट चोरी के कारण चुनाव नहीं हारती है,जहां जनता उसे भाजपा का विकल्प नहीं समझती है, वहां हारती है और जहां जनता कांग्रेस का भाजपा का विकल्प समझती है,वहां उसे जिताती भी है। हिमाचल, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल कई राज्यों में जनता ने कांग्रेस के सत्तारूढ़ दल का विकल्प समझा इसलिए उसे चुनाव में जिताया है। जहां वह भाजपा का विकल्प समझी नहीं जाती है,वहा जनता से हराती है और भाजपा को ही सत्ता के लायक समझाती है।

राहुल गांधी का वोटचोरी का आरोप भी कई दिनों नहीं लगा रहे हैं, वह हर बार वोट चोरी के मामले में पिछली बात से नई बात भी कह देते हैं,इससे भी उनके आरोप में कोई दम नहीं रह जाता है वह झूठे साबित होते हैं और उनकी बात दोहराने वाले सारे नेता भी झूठे साबित होते हैं। वह राष्ट्रपति से मिलने गए थे तो कहा था राष्ट्रपति ने सबूत मांगा है हम सबूत एकत्र कर देंगे। लेकिन अब तक वह कोई सबूत जुटा नहीं पाए है कभी वह कहते हैं कि हमारे पास सबूत तो हैं लेकिन वह दो सौ तीन सौ प्रतिशत सही नही है,कभी वह कहते हैं वोट चोरी का आरोप लगाना हमारा काम है,सरकार सबूत दे कि वोट चोरी नहीं हुआ है। वह न तो चुनाव आयोग को सबूत दे पाए है,न राष्ट्रपति को सबूत दे पाएं है, न सुप्रीम कोर्ट में सबूत दे पाए हैं और केरल में विधानसभा के बाद राजस्थान में पंचायत स्तर का चुनाव कांग्रेस जीत रही है तो उनको बताना चाहिए कि भाजपा वोट चोरी करती है तो कांग्रेस कैसे चुनाव जीतती है।

बिजली संकट की आहट : ऊर्जा नीति के दावों और जमीनी हकीकत के बीच भारत

डॉ. सत्यवान सौरभ

बिजली किसी सरकार की उपलब्धियों का विज्ञापन भर नहीं, बल्कि उसकी विकास क्षमता की वास्तविक परीक्षा है। जब उद्योग उत्पादन रोकने को मजबूर हों, किसान सिंचाई के लिए बिजली का इंतजार करें, शहरों में गर्मी के दौरान कटौती हो और उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदनी पड़े, तब ऊर्जा आत्मनिर्भरता के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत का बिजली क्षेत्र आज इसी विरोधाभास से जूझ रहा है। एक ओर रिकॉर्ड बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार और भविष्य की बड़ी योजनाओं का उत्सव है, दूसरी ओर ईंधन संकट, कमजोर वितरण कंपनियां, अपर्याप्त भंडारण और मांग के दबाव जैसी चुनौतियां मौजूद हैं।



बिजली क्षेत्र की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि हमारी ऊर्जा योजना कई बार वास्तविक मांग के बजाय स्थापित क्षमता के आंकड़ों पर अधिक केंद्रित दिखाई देती है। कितने मेगावाट संयंत्र स्थापित हुए, कितनी सौर परियोजनाएं शुरू हुईं और कितनी नई योजनाओं की घोषणा हुई—इन आंकड़ों से विकास का आकलन किया जाता है। लेकिन उपभोक्ता के लिए असली सवाल यह है कि जरूरत पड़ने पर बिजली उपलब्ध है या नहीं। स्थापित क्षमता और वास्तविक आपूर्ति के बीच का अंतर ही ऊर्जा नियोजन की गंभीर चुनौती है। बिजली संयंत्र का होना और उसका संकट के समय लगातार उत्पादन करना दो अलग-अलग बातें हैं।

कोयले पर निर्भरता कम करने की बात वर्षों से हो रही है, लेकिन ताप विद्युत अभी भी भारतीय बिजली व्यवस्था की रीढ़ है। इस निर्भरता को स्वीकार करने के बजाय कई बार ऊर्जा संक्रमण की बहस को केवल स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार तक सीमित कर दिया जाता है। कोयले की आपूर्ति, रेलवे परिवहन, संयंत्रों में पर्याप्त भंडार और उत्पादन इकाइयों के रखरखाव पर गंभीर ध्यान नहीं दिया गया तो संकट के समय सारी योजनाएं कागज पर ही रह जाएंगी। ऊर्जा नीति में विरोधाभास नहीं, व्यावहारिकता चाहिए। जब तक वैकल्पिक स्रोत पर्याप्त, स्थिर और आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं बनते, तब तक पारंपरिक उत्पादन व्यवस्था को कमजोर करना जोखिमपूर्ण होगा।

सौर ऊर्जा का विस्तार निश्चित रूप से भविष्य की जरूरत है, लेकिन केवल सूरज चमकने के समय बिजली उपलब्ध होना ऊर्जा सुरक्षा नहीं है। शाम होते ही सौर उत्पादन घटता है, जबकि घरेलू और व्यावसायिक मांग कई क्षेत्रों में बढ़ जाती है। इस अंतर को भरने के लिए बैटरी भंडारण, पंप्ड स्टोरेज, जल विद्युत, परमाणु ऊर्जा और पर्याप्त नियंत्रित उत्पादन क्षमता की जरूरत है। सवाल यह है कि क्या हमारी योजनाएं इन व्यवस्थाओं को उसी गंभीरता से विकसित कर रही हैं, जिस गंभीरता से सौर क्षमता के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं? यदि भंडारण और ग्रिड की तैयारी पीछे रह गई, तो नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार भी नई अस्थिरता पैदा कर सकता है।

बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय बदहाली इस संकट का एक ऐसा पहलू है जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्षों से घाटे में चल रही वितरण कंपनियां, तकनीकी नुकसान, बिजली चोरी, कमजोर बिलिंग व्यवस्था और राजनीतिक दबाव के कारण आर्थिक रूप से कमजोर होती रही हैं। मुफ्त बिजली और सब्सिडी की राजनीति अपनी जगह है, लेकिन यदि उसका भुगतान समय पर और पारदर्शी तरीके से नहीं होता, तो अंततः नुकसान बिजली व्यवस्था को उठाना पड़ता है। उपभोक्ता को राहत देने के नाम पर वितरण कंपनियों को वित्तीय संकट में छोड़ देना दूरदर्शी नीति नहीं है। सरकारों को यह समझना होगा कि कमजोर डिस्कॉम के सहारे विश्वस्तरीय बिजली व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती।

पारेषण व्यवस्था भी बिजली क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण कमजोरी है। बिजली उत्पादन बढ़ा देना पर्याप्त नहीं, यदि उसे जरूरत वाले क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए नेटवर्क मजबूत न हो। कई बार बिजली की उपलब्धता और बिजली की जरूरत अलग-अलग क्षेत्रों में होती है, लेकिन सीमित पारेषण क्षमता के कारण उसका प्रभावी उपयोग नहीं हो पाता। आधुनिक ट्रांसमिशन लाइनें, अंतरराज्यीय नेटवर्क, स्मार्ट ग्रिड और तकनीकी निगरानी पर निवेश अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। बिजली व्यवस्था में एक कमजोर कड़ी पूरे तंत्र को प्रभावित कर सकती है।

बढ़ती बिजली मांग को भी अब सामान्य वृद्धि मानकर नहीं चलाया जा सकता। औद्योगिकीकरण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन, शहरीकरण और बढ़ती गर्मी ने बिजली की जरूरतों का स्वरूप बदल दिया है। आने वाले वर्षों में केवल पुराने मांग अनुमान पर्याप्त नहीं होंगे। सरकार, बिजली कंपनियों और नियामकों को भविष्य की जरूरतों का वास्तविक आकलन करना होगा। अन्यथा हर गर्मी, हर औद्योगिक विस्तार और हर मांग वृद्धि के साथ संकट प्रबंधन की स्थिति पैदा होती रहेगी।

ऊर्जा क्षेत्र में सुधार का अर्थ केवल नई परियोजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करना भी है। बिजली खरीद में पारदर्शिता, वितरण कंपनियों के घाटे का वास्तविक आकलन, समयबद्ध परियोजना क्रियान्वयन, स्मार्ट मीटरिंग, ऊर्जा दक्षता और मांग प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उद्योगों को ऊर्जा बचत के लिए प्रोत्साहित किया जाए और घरेलू उपभोक्ताओं को भी दक्ष उपकरणों तथा बेहतर उपयोग के प्रति जागरूक बनाया जाए। बिजली की बचत केवल नैतिक अपील से नहीं, बल्कि तकनीक, प्रोत्साहन और प्रभावी नीति से संभव होगी।

भारत को ऊर्जा संक्रमण के नाम पर अव्यावहारिक लक्ष्य और बिजली संकट के नाम पर पुराने ढांचे से चिपके रहने—दोनों अतियों से बचना होगा। एक ओर पर्यावरणीय जिम्मेदारी है, दूसरी ओर आर्थिक विकास और करोड़ों उपभोक्ताओं की जरूरतें। इन दोनों के बीच संतुलन ही वास्तविक ऊर्जा नीति है। स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार हो, लेकिन उसके साथ भंडारण, ग्रिड, भरोसेमंद उत्पादन और आर्थिक स्थिरता भी विकसित हो।

बिजली क्षेत्र की सफलता का पैमाना मेगावाट की घोषणाएं नहीं, बल्कि निर्बाध आपूर्ति, उचित बिल, मजबूत वितरण व्यवस्था और संकट के समय उपलब्ध ऊर्जा होना चाहिए। भारत को ऐसी बिजली व्यवस्था चाहिए जो केवल आंकड़ों में विशाल न हो, बल्कि नागरिकों के जीवन में भरोसेमंद हो। आखिर विकास का उजाला तभी सार्थक है, जब वह घोषणा-पत्रों और आंकड़ों से निकलकर घरों, खेतों, अस्पतालों और उद्योगों तक बिना बाधा पहुंचे। यही भारत की ऊर्जा नीति की असली कसौटी है।

403 महिला विस्तारकों के सहारे बीजेपी का 2027 चुनावी दांव

अजय कुमार

2027 की सत्ता की लड़ाई में भाजपा ने आधी आबादी पर अपना दांव लगा दिया है। सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में आठ राज्यों से आईं 403 महिला विस्तारकों की तैनाती बताती है कि पार्टी महिला मतदाताओं को सत्ता की चाबी मान रही है। लखनऊ के विश्वेश्वरैया सभागार में 20 नवंबर को हुई कार्यशाला में इन्हें घर-घर पहुंचने, महिलाओं से संवाद और सरकारी योजनाओं का प्रचार करने का निर्देश दिया गया। यह महज संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, 2024 के झटके के बाद 2027 की जमीन दुरुस्त करने की कोशिश है। सवाल है कि भाजपा महिलाओं को नेतृत्व देना चाहती है या चुनाव के वक्त उनका वोट पक्का करना चाहती है? कार्यशाला में प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने 403 सीटों पर प्रवास और घर-घर संपर्क का मंत्र दिया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने इसे जनविश्वास का अभियान बताया। केशव प्रसाद मौर्य ने महिला कार्यकर्ताओं को स्टार प्रचारक कहा और ब्रजेश पाठक ने भयमुक्त प्रदेश का संदेश पहुंचाने को कहा। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, सह प्रभारी मीधा कुलकर्णी, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने भी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य रखा। गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, बिहार, झारखंड, राजस्थान और महाराष्ट्र से आईं विस्तारकों को हर सीट पर उतारना बड़ी तैयारी है। मगर उनकी असली परीक्षा स्थानीय महिलाओं का भरोसा जीतना होगी।



भाजपा की सक्रियता को केवल महिला सशक्तीकरण का अभियान बताकर नहीं समझा जा सकता। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में भाजपा 33 पर सिमट गई, जबकि सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं। 2019 में भाजपा अकेले 62 सीटें जीत चुकी थी। यह गिरावट बताती है कि सत्ता, संगठन और योजनाओं के बावजूद मतदाता नाराज हो सकता है। बेरोजगारी, महंगाई, आरक्षण, संविधान और स्थानीय असंतोष ने भाजपा के मजबूत किले में सेंध लगाई। अब पार्टी घर-घर पहुंचकर वह भरोसा जोड़ना चाहती है, जिसे नारों से वापस नहीं पाया जा सकता। महिलाओं का मतदान प्रतिशत भाजपा की रणनीति का बड़ा कारण है। 2022 के विधानसभा चुनाव में महिलाओं का मतदान 62.24 प्रतिशत रहा, जबकि पुरुषों का 59.56 प्रतिशत था। लेकिन अधिक मतदान को किसी दल की जेब में पड़ा वोट समझना भूल होगी। महिला मतदाता एकरंगी समूह नहीं हैं। दलित, पिछड़ी, मुस्लिम, सवर्ण, ग्रामीण और शहरी महिलाओं के अनुभव अलग हैं। किसी के लिए रसोई का खर्च बड़ा सवाल है, किसी के लिए मजदूरी, नौकरी, पढ़ाई, इलाज या सुरक्षित आवागमन। भाजपा इन विविध सवालों को सरकारी उपलब्धियों के पोस्टर से ढकेगी तो भरोसा खो देगी।

हर बूथ पर महिला कार्यकर्ताओं की तैनाती और महिलाओं को संगठन से जोड़ने की योजना प्रभावशाली लगती है। लेकिन असली सवाल है कि उन्हें कितनी ताकत मिलेगी। क्या वे केवल घरों में प्रचार करेंगी और मतदाताओं को बूथ तक लाएंगी, या टिकट तय करने और नीतियां बनाने में भी उनकी आवाज सुनी जाएगी? 2022 की विधानसभा में 403 सदस्यों के बीच केवल 47 महिलाएं पहुंची। यह बताता है कि दल महिलाओं की भागीदारी की बात करते हैं, लेकिन सत्ता में जगह सीमित रखते हैं। स्टार प्रचारक का तमगा इस कमी की भरपाई नहीं कर सकता। सरकारी योजनाओं का प्रचार विस्तारकों की जिम्मेदारी होगी। उज्ज्वला, मुफ्त राशन, आवास, शौचालय, पेंशन और स्वयं सहायता समूहों का जिक्र होगा। लेकिन लाभ की सूची और जीवन की हकीकत में बड़ा अंतर है। गैस कनेक्शन के बाद सिलिंडर भरवाने की कीमत गरीब परिवार को फिर चूल्हे की ओर धकेल सकती है। राशन पेट भरता है, स्थायी रोजगार नहीं देता। आवास के बाद भी पानी, बिजली और आमदनी की समस्या रह सकती है। स्वयं सहायता समूह तभी ताकत बनेंगे जब महिलाओं को ऋण, प्रशिक्षण, बाजार और उचित दाम मिले। विस्तारक केवल उपलब्धियां गिनाएंगे तो अभियान सरकारी विज्ञापन बन जाएगा।

महिला सुरक्षा के दावे भी इसी कसौटी पर परखे जाएंगे। सरकार भयमुक्त प्रदेश का संदेश देना चाहती है, लेकिन सुरक्षा भाषण से प्रमाणित नहीं होती। थाने में शिकायत, पुलिस की संवेदनशीलता, निष्पक्ष जांच, अदालत में सुनवाई और दोषियों को सजा इनका अनुभव ही भरोसा बनाता है। घर के भीतर हिंसा, दहेज उत्पीड़न और सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ से जूझती महिला के लिए कहना काफी नहीं कि प्रदेश सुरक्षित है। उसे रात में सुरक्षित सड़क, बस में सम्मान और शिकायत पर कार्रवाई चाहिए। विस्तारकों को इन कठिन सवालों का सामना करना पड़ेगा। आठ राज्यों से विस्तारक बुलाने का फैसला संगठन की ताकत भी दिखाता है और असहज सवाल भी खड़ा करता है। यदि 403 सीटों पर स्थानीय महिला नेतृत्व मजबूत है तो बाहर से इतनी बड़ी टोली क्यों बुलानी पड़ी? क्या स्थानीय महिला मोर्चा बूथ स्तर पर कमजोर है? बाहर से आई कार्यकताओं को स्थानीय भाषा, जातीय समीकरण और क्षेत्रीय समस्याएं समझनी होंगी। तयशुदा भाषण और योजनाओं की सूची पर्याप्त नहीं। महिलाओं को महसूस होना चाहिए कि उनसे वोट मांगने नहीं, उनकी बात सुनने कोई आया है।

विपक्ष के सामने भी चुनौती कम नहीं है। 2024 में सपा-कांग्रेस गठबंधन ने 43 सीटें जीतकर भाजपा को कड़ी शिकस्त दी। अखिलेश यादव का पीडीए सामाजिक प्रतिनिधित्व का सवाल उठाता है, लेकिन महिलाओं की जरूरतों पर स्पष्ट कार्यक्रम के बिना यह नारा अधूरा है। विपक्ष को महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और राजनीतिक हिस्सेदारी पर ठोस विकल्प देना होगा। केवल भाजपा की आलोचना या जातीय समीकरणों का जोड़-घटाव महिला मतदाताओं का भरोसा नहीं जीतेगा। जो दल महिलाओं को चुनावी संख्या समझेगा, उसे उनके सवालों का जवाब भी देना होगा। 403 विस्तारकों की तैनाती से भाजपा ने साफ कर दिया है कि 2027 की लड़ाई में आधी आबादी को नजरअंदाज करने का जोखिम वह नहीं लेना चाहती। लेकिन भरोसा प्रवास, कार्यशाला और प्रचार सामग्री से नहीं खरीदा जा सकता। महिलाओं को रोजगार, सुरक्षा, सम्मान, प्रतिनिधित्व और योजनाओं का वास्तविक लाभ चाहिए। विस्तारक शिकायतें सुनें, जवाबदेही तय कराएं और महिलाओं को संगठन के फैसलों में जगह दिलाएं तो पहल सार्थक होगी। अन्यथा 403 सीटों पर 403 महिला चेहरे चुनावी सजावट बनकर रह जाएंगे। भाजपा को तय करना है कि महिलाओं को सत्ता तक पहुंचने का रास्ता देगी या सत्ता पाने के लिए उनका इस्तेमाल करेगी। 2027 में आधी आबादी का फैसला इसी फर्क पर टिक सकता। यही अंतर अभियान की नीयत और नतीजे दोनों तय करेगा।

गुरु नानक जयंती : समाज को समरसता, समानता– मानवता का संदेश

सौरभ वार्ष्णेय

विश्व की महान संत परंपरा में गुरु नानक देव जी का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका जीवन, विचार और आध्यात्मिक दर्शन केवल सिख धर्म के अनुयायियों के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। 24 नवंबर 2026 को मनाई जाने वाली गुरु नानक जयंती हमें एक बार फिर उनके उन महान विचारों को आत्मसात करने का अवसर देती है, जिनमें सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे, समानता, प्रेम, सेवा और मानवता का संदेश समाहित है। गुरु नानक देव जी ने ऐसे समय में समाज को नई दिशा दिखाई, जब जाति पाति, ऊंच-नीच, धार्मिक भेदभाव, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियां मानव समाज को बांट रही थीं। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि ईश्वर एक है और उसकी बनाई हुई समस्त मानव जाति समान है। गुरु नानक देव जी का दर्शन किसी एक वर्ग, जाति या समुदाय तक सीमित नहीं था। उनका मानना था कि मनुष्य की पहचान उसके जन्म, जाति, धर्म, धन अथवा सामाजिक प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उसके कर्मों और आचरण से होनी चाहिए। उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव और आडंबरों का विरोध करते हुए मानवता को सर्वोपरि रखा।

उनका प्रसिद्ध संदेश एक ओंकार इस बात का प्रतीक है कि परमात्मा एक है और समस्त संसार उसी की रचना है। जब सृष्टि का रचयिता एक है, तो मनुष्यों के बीच भेदभाव और नफरत का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

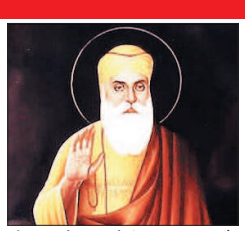

गुरु नानक देव जी ने सामाजिक समरसता को केवल उपदेशों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे अपने जीवन और व्यवहार में उतारकर दिखाया। उन्होंने जातिगत भेदभाव, छुआछूत और ऊंच-नीच की भावना को मानवता के विरुद्ध बताया। उस दौर में समाज अनेक वर्गों और जातियों में बंटा हुआ था। ऐसे वातावरण में उन्होंने सभी मनुष्यों को समान मानने की शिक्षा दी। उनका संदेश था कि कोई भी व्यक्ति जन्म से ऊंचा या नीचा नहीं होता। मनुष्य की श्रेष्ठता उसके सद्कर्म, सेवा भावना और नैतिक आचरण से निर्धारित होती है। उनकी शिक्षाओं में संगत और पंगत की परंपरा सामाजिक समानता का जीवंत उदाहरण है। संगत में सभी लोग एक साथ बैठकर प्रभु का स्मरण करते हैं, जबकि पंगत और लंगर में बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग अथवा आर्थिक भेदभाव के सभी लोग एक साथ भोजन करते हैं। यह परंपरा आज भी समाज को समानता और भाईचारे का व्यावहारिक संदेश दे रही है। लंगर की व्यवस्था यह सिखाती है कि किसी भी व्यक्ति की गरिमा और सम्मान उसके आर्थिक या सामाजिक स्तर से कम नहीं हो सकता।

गुरु नानक देव जी ने धर्म को आपसी संघर्ष का आधार बनाने के बजाय मानव कल्याण का माध्यम माना। उन्होंने धार्मिक कट्टरता, बाहरी दिखावे और पाखंड का विरोध किया। उनके लिए सच्चा धर्म वही था, जो मनुष्य को सत्य, प्रेम, करुणा और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ाए। उन्होंने विभिन्न धार्मिक परंपराओं के लोगों से संवाद किया और अपनी यात्राओं के माध्यम से मानवता, सद्भाव तथा नैतिक जीवन का संदेश दिया। वर्तमान समय में दुनिया अनेक प्रकार के तनाव, युद्ध, धार्मिक असहिष्णुता और सामाजिक विभाजन का सामना कर रही है। ऐसे दौर में गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं हमें याद दिलाती हैं कि संवाद, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान ही शांतिपूर्ण समाज की आधारशिला हैं। किसी भी धर्म का वास्तविक उद्देश्य मानवता को जोड़ना होना चाहिए, न कि लोगों के बीच दीवारें खड़ी करना।

गुरु नानक देव जी ने सेवा को आध्यात्मिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग माना। उनके विचारों में जरूरतमंदों की सहायता, भूखों को भोजन कराना, दुखियों के प्रति संवेदना रखना और समाज के कमजोर वर्गों के साथ खड़ा होना सच्ची मानवता के प्रतीक हैं। सिख परंपरा में दिखाई देने वाली सेवा भावना इसी विचारधारा की निरंतरता है। गुरुद्वारों में चलने वाले लंगर, प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्य और जरूरतमंदों की सहायता इसके उदाहरण हैं। आज समाज में अनेक लोग आर्थिक कठिनाइयों, बेरोजगारी, गरीबी और सामाजिक असमानता से जूझ रहे हैं। ऐसे में गुरु नानक देव जी की सेवा और साझा जिम्मेदारी की शिक्षा हमें प्रेरित करती है कि समाज के संपन्न और सक्षम वर्ग को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। सामाजिक समरसता केवल भाषणों और आयोजनों से स्थापित नहीं होती, बल्कि इसके लिए व्यवहार में समानता, सहयोग और संवेदनशीलता लानी पड़ती है।

आज भारत विविधताओं से भरा देश है। यहां अलग-अलग धर्म, भाषाएं, जातियां, संस्कृतियां और परंपराएं एक साथ मौजूद हैं। यही विविधता हमारी पहचान और शक्ति है। लेकिन जब जातीय भेदभाव, धार्मिक कट्टरता, सामाजिक असमानता और आपसी अविश्वास बढ़ता है, तब राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव प्रभावित होते हैं। ऐसे समय में गुरु नानक देव जी का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।उनकी शिक्षाएं हमें यह समझाती हैं कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर और न्याय मिले। सामाजिक समरसता का अर्थ केवल एक साथ रहना नहीं, बल्कि एक-दूसरे के अधिकारों, भावनाओं और अस्तित्व का सम्मान करना भी है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी व्यक्ति के प्रति भेदभाव करना मानवता के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है।गुरु नानक जयंती केवल धार्मिक उत्सव या औपचारिक आयोजन का अवसर नहीं है। यह आत्मचिंतन का दिन भी है। इस अवसर पर गुरुद्वारों में कीर्तन, अरदास, प्रभात फेरियां और लंगर के आयोजन होते हैं। इन आयोजनों की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब हम गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। यदि हम ईमानदारी, परिश्रम, सेवा, समानता और भाईचारे को अपने व्यवहार का हिस्सा बना लें, तो यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हम कह सकते है कि गुरु नानक देव जी का जीवन और दर्शन मानवता को जोड़ ? वाला ऐसा प्रकाश है, जिसकी प्रासंगिकता कभी समाप्त नहीं हो सकती। उन्होंने सिखाया कि न कोई ऊंचा है, न कोई नीचा; सभी मनुष्य समान हैं और सभी के प्रति प्रेम, सम्मान तथा करुणा का व्यवहार होना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज जाति, धर्म, भाषा और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर उनके संदेश को अपनाए। गुरु नानक जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने आचरण में समानता, अपने विचारों में उदारता और अपने कर्मों में सेवा भावना को स्थान देंगे। यही सामाजिक समरसता की वास्तविक स्थापना होगी और यही गुरु नानक देव जी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मानवता के रक्षक, धार्मिक स्वतंत्रता के अमर प्रहरी थे गुरु तेग बहादुर

एक अप्रैल 1621 को अमृतसर में गुरू हरगोबिन्द साहिब के घर माता नानकी जी की कोख से जन्मे गुरु तेग बहादुर सिख धर्म के नवें गुरू हैं, जिन्होंने सदैव कट्टरता का विरोध और साम्प्रदायिकता के विरुद्ध संघर्ष किया। धार्मिक स्वतंत्रता के समर्थक रहे गुरु तेग बहादुर की शहादत को प्रतिवर्ष 24 नवम्बर को गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।प्रेम, त्याग और बलिदान के प्रतीक गुरु तेग बहादुर को हिन्द दी चादर अथवा भारत की ढाल भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए अपना सब कुछ और यहां तक कि अपना जीवन भी न्यौछावर कर दिया था। धार्मिक सद्भाव के पक्षधर गुरु तेग बहादुर ने धर्म तथा लोक की सेवा के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया था। वे एक ऐसे सद्भावी और धर्म के प्रति समर्पित संत थे, जिन्होंने कट्टरता के समक्ष झुकने से इनकार कर दिया था। इसी कट्टरता ने 24 नवम्बर 1675 को ऐसा काला इतिहास लिख डाला, जिसे पूरी दुनिया कभी विस्मृत नहीं कर सकेगी।

गुरू तेग बहादुर ने धर्म के सत्य ज्ञान के प्रचार-प्रसार एवं लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए कई स्थानों का भ्रमण किया और लोगों को संयम तथा सहज मार्ग का पाठ पढ़ाते हुए धर्म के सत्य मार्ग पर चलने का उपदेश देते हुए आध्यात्मिक स्तर पर धर्म का सच्चा ज्ञान भी दिया तथा सामाजिक स्तर पर चली आ रही रूढ़ियों, अंधविश्वासों की कटु आलोचना कर नए सहज जनकल्याणकारी आदर्श स्थापित किए। उन्होंने कुएं खुदवाना, धर्मशालाएं बनवाना तथा अन्य लोक परोपकारी कार्य कराकर लोगों के आध्यात्मिक, सामाजिक व आर्थिक उन्नयन के लिए भी अनेक रचनात्मक कार्य किए। वे सदैव सिखों के प्रथम गुरू रहे गुरू नानक देव द्वारा बतलाए गए मार्ग का अनुसरण करते रहे। उनकी गिनती मानवीय धर्म, वैचारिक स्वतंत्रता एवं आदर्शों के लिए शहीद होने वाले महापुरुष तथा क्रांतिकारी युगपुरुष के रूप में होती रही है। उन्होंने कश्मीरी पंडितों तथा अन्य हिन्दुओं को बलपूर्वक मुसलमान बनाने का प्रबल विरोध किया।

वह ऐसा समय था, जब पूरी कट्टरता और निर्ममता के साथ इस्लाम धर्म का प्रचार-प्रसार किया जा रहा था और खून की नदियां बहाकर लोगों को धर्म परिवर्तन करने के लिए विवश किया जा रहा था। गुरू तेग बहादुर ने लोगों को धर्म परिवर्तन से बचाने के लिए उन्हें प्रेरित करने का कार्य किया और उनकी लगातार बढ़ती लोकप्रियता तथा धर्म परिवर्तन की राह में रोड़ा बनने के कारण वे कट्टर मौलानाओं की आंखों में खटकने लगे थे। नतीजा यह हुआ कि तत्कालीन मुगल शासक औरंगजेब ने उन्हें तरह-तरह से परेशान करना शुरू कर दिया। इसी उद्देश्य से गुरू तेग बहादुर के कई करीबी सेवादारों को बड़ी ही निर्ममता से मरवा दिया गया। गुरू जी की आंखों के सामने ही उनके प्रिय सेवादार भाई मतीदास को बोटी-बोटी काट दी गई, भाई दयालदास को खौलते पानी के कड़ाह में फैंककर बड़ी दर्दनाक मौत दी गई, भाई सतीदास को कपास में लपेटकर जिंदा जला दिया गया।

मुगल शासक औरंगजेब का इतना अत्याचार झेलने के बाद भी गुरू तेग बहादुर अपने इरादों में टस से मस नहीं हुए और उन्होंने



थिएटर और ओटीटी, दोनों की अपनी खूबी

दिव्या इन दिनों अपनी फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में बातचीत में दिव्या ने फिल्म की रिलीज, थिएटर और ओटीटी के अनुभव और अपने करियर से जुड़े कई पहलुओं पर बात की।

ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचना ही उद्देश्य
थिएटर में फिल्म रिलीज होने के बाद जब वही फिल्म ओटीटी पर आती है तो उसे नए दर्शक मिलते हैं। क्या दिव्या के लिए भी दोनों माध्यमों का अनुभव अलग है? वह कहती हैं, 'देखिए, असल बात यह है कि आप जितनी ज्यादा ऑडियंस तक पहुंच सकें, वही आपका मुख्य उद्देश्य होता है। आपने एक फिल्म बनाई है और चाहते हैं कि उसे ज्यादा से ज्यादा लोग देखें। पहले उसकी लिमिटेड थिएटर रिलीज हुई, लेकिन अब वह ओटीटी पर आ रही है। ऐसे में बहुत सारे लोग अपने समय और अपनी सुविधा के हिसाब से उसे देखेंगे। वे जिसके साथ देखना चाहते हैं, उसके साथ घर पर आराम से बैठकर फिल्म देखेंगे और अपनी प्रतिक्रिया देंगे। ज्यादा से ज्यादा लोगों को आपका काम देखना चाहिए, यह बहुत जरूरी है। बेशक बड़े पर्दे का अपना जादू है और ओटीटी का अपना। लेकिन मेरे लिए इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। जरूरी यह है कि आपका काम और आपकी कहानी लोगों तक पहुंचे।'

क्या दिव्या भी किसी फिल्म को थिएटर में देखने से चूक जाएं तो उसके ओटीटी पर आने का इंतजार करती हैं?। इस पर वह कहती हैं, 'ऐसा कोई नियम नहीं है। अगर कोई फिल्म मिस हो गई तो बेशक ओटीटी पर आने का इंतजार करते हैं। लेकिन लाइव सिनेमा को कम नहीं आंक सकते। उसका अपना महत्व है। हर कोई उसका इंतजार करता है। वह चाहे बड़ी फिल्म हो, सुपरहिट फिल्म हो या किसी भी तरह की फिल्म हो, जब वह ओटीटी पर आती है तो लोग उसे दोबारा देखते हैं या पहली बार देखते हैं। थिएटर और ओटीटी का यह मेल बहुत खूबसूरत है।'

'चिरैया' के बाद महिलाओं की प्रतिक्रियाएं खास

इस साल दिव्या दत्ता की फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गजब रात' के साथ वेब सीरीज 'चिरैया' को भी दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। खासकर 'चिरैया' देखने के बाद महिलाओं ने उनसे अपने अनुभव साझा किए। वह कहती हैं, 'यह साल टचवुड बहुत अच्छा रहा है। इन तीनों प्रोजेक्ट के लिए। थिएटर में फिल्में देखने के बाद कई लोग मुझे कहीं भी मिल जाते हैं और अपने अनुभव बताते हैं। 'चिरैया' देखने के बाद लड़कियां जिस तरह मुझसे बात करती हैं, यह बताती हैं कि फिल्म की कहानी ने उन्हें छुआ है और वे उससे खुद को जोड़ पाई हैं, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस साल मुझे बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं।'

क्या उन्हें कॉमेडी किरदार निभाने का मौका मिलता है? इस सवाल पर हंसते हुए वह कहती हैं, ' 'यार, कॉमेडी करना मुझे पसंद है, लेकिन मुझे कोई ऑफर ही नहीं करता।'

हालांकि, दिव्या ने कुछ फिल्मों में कॉमेडी की है। वह बताती हैं, 'मैंने 'चिरैया' में भी थोड़ा कॉमेडी किया है। 'शर्माजी की बेटी' में भी किया है। लेकिन फुल फ्लेज्ड कॉमेडी करने में बड़ा मजा आएगा। मुझे वह पसंद है। अभिनय का मजा ही यही है कि आप अलग-अलग तरह की कहानियां कह रहे हैं और अलग-अलग किरदार निभा रहे हैं। कई बार लगातार इंटेंस सीन करके आते हैं तो मन हल्का करने के लिए एक लाफ्टर बहुत अच्छा लगता है।'

महिलाओं के लिए कॉमेडी के मौके कम हैं

क्या महिला कलाकारों को केंद्र में रखकर कॉमेडी फिल्में कम बनती हैं? इस पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे नहीं लगता कि फिल्म निर्माता ऐसा कुछ सोचकर डरते हैं। लेकिन हमारे यहां फीमेल सेंट्रिक कॉमेडी ज्यादा लिखी नहीं जाती है। यह बात तो फैक्ट है। मैं चाहूंगी कि महिलाओं को केंद्र में रखकर भी ऐसी कॉमेडी फिल्में बनें, जिनमें वे खुलकर हंसें और दर्शकों को भी हंसाएं।'



यशराज बैनर की हॉरर फिल्म में नजर आएंगे वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन को ज्यादातर कॉमेडी और रोमांटिक फिल्मों में देखा गया है। मगर अब वह जल्द हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म से यशराज बैनर जल्द हॉरर वर्ल्ड में एंट्री लेने वाला है। वहीं मेकर्स ने अब तक इस फिल्म के टाइटल से पर्दा नहीं उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आगामी हॉरर फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म साल 31 मार्च 2028 में रिलीज होगी। हालांकि अभी फिल्म की कहानी, पोस्टर, और बाकी की कास्ट की कोई जानकारी मेकर्स द्वारा आधिकारिक रूप से साझा नहीं की गई है। इस फिल्म का निर्देशन अभय पन्नू करेंगे। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। अभय पन्नू इससे पहले मशहूर सीरीज 'रॉकेट बॉयज' का भी निर्देशन कर चुके हैं। 'रॉकेट बॉयज' के बाद यह अभय का दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट होगा। वहीं दूसरी तरफ यशराज बैनर भी लगातार नए निर्देशकों के साथ बड़े बजट की फिल्मों का निर्माण कर रहा है।

पहली बार बैनर लेगा हॉरर एंट्री
फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसके जरिए यशराज पहली बार हॉरर जोनर में कदम रखेगा। इससे पहले बैनर ने स्याई समेत लगभग हर जॉनर में फिल्म बनाई है। बताते चलें कि वरुण की यशराज के साथ यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह बैनर के साथ 'सुई धागा' में काम कर चुके हैं।



बेला के किरदार में फिर दिखेंगी अनन्या पांडे

मशहूर निर्देशक करण जौहर आगामी वेब सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन की वापसी के लिए तैयार हैं। मंगलवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सीरीज की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर सीरीज की मुख्य अभिनेत्री अनन्या पांडे का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह बेला (बे) के किरदार में नजर आ रही हैं। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, 'दिन को जी भरकर जियो, क्योंकि वह फिर से धमाका करने आ गई है। वेब सीरीज 'कॉल मी बे' का नया सीजन 17 दिसंबर से स्ट्रीम होगा।'

करण जौहर ने वेब सीरीज के दूसरे सीजन को वापस लाने को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि नए सीजन में बे (अनन्या के किरदार का नाम) की जिंदगी के अलग-अलग पहलुओं को दिखाया जाएगा, लेकिन पहले सीजन वाला ह्यूमर, इमोशन और मस्ती वाला अंदाज बरकरार रहेगा। उन्होंने प्राइम वीडियो के साथ दोबारा जुड़ने पर खुशी जताई और कहा कि 'बे' (अनन्या के किरदार का नाम) और उसके दोस्तों को एक बार फिर हंसी, इमोशन और धमाल से भरे सफर पर ले जाने के लिए वह काफी उत्साहित हैं।

नए सीजन के बारे में बात करते हुए करण जौहर ने कहा, 'सीजन-1 को मिला प्यार और रिस्पॉन्स इस बात का सबूत है कि दर्शकों ने 'बे' (अनन्या के किरदार का नाम) के उतार-चढ़ाव भरे सफर और उसकी बेबाक जिंदगी से गहरा जुड़ाव महसूस किया। सीजन 2 के साथ हम उस दुनिया को और आगे ले जाना चाहते थे, 'बे' के नए पहलुओं को दिखाना चाहते थे, लेकिन वो ह्यूमर, दिल और बिंदास अंदाज बरकरार रखना चाहते थे, जिसे सबने खूब पसंद किया था।'



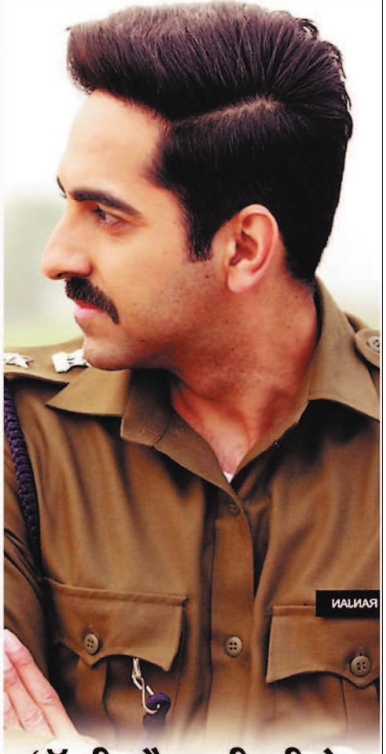

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' और 'यह प्रेम मोल लिया' की तुलना पर बोले आयुष्मान खुराना

हाल ही में फिल्म 'यह प्रेम मोल लिया' का ट्रेलर लॉन्च हुआ है। इसके बाद से ही फिल्म की तुलना 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से हो रही थी। मगर इस पर फिल्म के अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म करण जौहर की फिल्म से काफी अलग है। मुंबई ने हुए ट्रेलर लॉन्च इवेंट में आयुष्मान खुराना ने दोनों फिल्मों के बीच का फर्क बताया। उन्होंने कहा, 'यह सूरज बड़जात्या की फिल्म है, और प्रेम एक हरी झांडी है। इस फिल्म (ये प्रेम मोल लिया) में, वह अपनी पत्नी के परिवार के लिए खड़ा होता है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रॉकी का किरदार अलग है। प्रेम उससे बहुत अलग है। आप दोनों की तुलना भी नहीं कर सकते।'

फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का बुधवार को ट्रेलर सामने आया। इसमें दिखाया गया कि प्रेम (आयुष्मान खुराना) अपनी परिवार सहित अपनी पत्नी 'पूर्वा' (शरवरी) के घर जाने का फैसला करता है। वहीं 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी कपल शादी से पहले 6 महीने एक दूसरे के घर जाकर रहते हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। इस पौने चार मिनट के ट्रेलर में दिखाया गया है कि आयुष्मान खुराना शरवरी वाघ से शादी करना चाहते हैं। मगर शादी में एक दिक्कत है। शरवरी अपना घर छोड़कर अपने ससुराल नहीं जाना चाहती हैं। उनके मुताबिक उनके घर में सिर्फ महिलाएं ही रहती हैं। सभी की जिम्मेदारी शरवरी पर है। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का निर्देशन सूरज बड़जात्या ने किया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। शरवरी पहली बार आयुष्मान के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शन्स और महावीर जैन फिल्म्स के बैनर तले बनी है।



पिता शाहरुख से तुलना होने पर बोले आर्यन खान

फिल्ममेकर आर्यन खान को 'टाइम 100 नेक्ट इंडिया' के कवर पेज पर जगह मिली है। हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान आर्यन से पिता शाहरुख खान के बारे में सवाल किये गए। उनसे पूछा गया कि पिता सुपरस्टार शाहरुख खान से तुलना पर वह क्या राय रखते हैं?

आर्यन खान ने पिता से उनकी तुलना होने पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, 'हर किसी की उनसे तुलना की गई है। अगर मैं भी उन लोगों में से एक हूं, तो इसमें कोई परेशानी नहीं है। नंबर-1 इंसान से तुलना होना मेरे लिए तारीफ की बात है। वह एक अलग ही शख्सियत हैं।'

अपनी बातचीत में आगे आर्यन खान ने सलमान खान से जुड़ा एक खास किस्सा सुनाया। सलमान खान ने आर्यन की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में कैमियो किया था। इस पर आर्यन ने बताया कि सीरीज की शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि सलमान भी उसी लोकेशन पर मौजूद हैं। उन्होंने सलमान की टीम को मैसेज भेजकर पूछा कि क्या आर्यन उनसे मिलने आ सकते हैं, लेकिन सलमान ने खुद आर्यन के सेट पर आने की बात कह दी। इसके बाद उन्होंने अपने सिनेमैटोग्राफर को तैयार रहने कह दिया। जब सलमान आए तब उन्हें वहीं डायलॉग देकर उनका कैमियो शूट कर लिया गया। आर्यन खान के अलावा एक्ट्रेस आलिया भट्ट, पायल कपाड़िया और थेजा रियो इस मैगजीन के कवर का हिस्सा हैं। वहीं दिलजीत दोसांझ, अनिरुद्ध रविचंदर, सामंथा रुथ प्रभु, साई पल्लवी, विक्की कौशल और वैभव सूर्यवंशी जैसे नाम भी शामिल हैं।



बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं हैं कोमल पावस्कर

मुंबई बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही कोमल पावस्कर ने परफॉर्मिंग आर्ट्स की दुनिया में अपनी एक मजबूत नींव तैयार कर ली है। न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से एक्टिंग और फिल्ममेकिंग की औपचारिक शिक्षा हासिल करने से लेकर डांस के छह अलग-अलग फॉर्म्स में महारत हासिल करने और पारंपरिक परफॉर्मिंग आर्ट्स से आगे बढ़कर कई अन्य कौशल सीखने तक, कोमल का सफर उनके जुनून, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण को दर्शाता है। गौरतलब है कि थिएटर से उनका जुड़ाव काफी कम उम्र में ही हो गया था। इस अनुभव ने उन्हें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ लाइव परफॉर्मेंस की बारीकियों, अनुशासन और चुनौतियों को समझने का अवसर दिया। एक्टिंग के साथ-साथ कोमल ने छह अलग-अलग डांस फॉर्म्स में ट्रेनिंग ली है, जिनमें जैज फंक, कमर्शियल हिप-हॉप, बेली डांस, कथक, सालसा और बॉलीवुड डांस शामिल हैं। डांस की इन विविध शैलियों में प्रशिक्षण ने उन्हें मूवमेंट, रिदम और एक्सप्रेशन की बेहतर समझ दी है, जिससे एक परफॉर्मर के तौर पर उनकी नींव और मजबूत हुई है।

कोमल को खास बनाने वाली बात सिर्फ एक्टिंग और डांस तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसके अलावा भी कई दिलचस्प क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारा है। वह राइफल शूटिंग और घुड़सवारी में भी प्रशिक्षित हैं। शूटिंग में जरूरी सटीकता से लेकर घुड़सवारी के लिए आवश्यक शारीरिक अनुशासन तक, उनके ये हुनर अलग-अलग विधाओं को सीखने और खुद को लगातार चुनौती देने की उनकी इच्छा को दर्शाते हैं। जहां कई नए कलाकार अपनी डेब्यू फिल्मों के जरिए दर्शकों के सामने आते हैं, वहीं कोमल का सफर उस लंबे अभ्यास और तैयारी की झलक देता है, जो किसी बड़े मौके से पहले की जाती है। कोमल अब फिल्ममेकर विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर इकाई से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं, जिसमें वह राघव जुयाल के अपोजिट नजर आएंगी।



नियामक आयोग के प्रावधान के तहत ली जाती है विद्युत उपभोक्ताओं से अतिरिक्त सुरक्षानिधि

यह बिजली बिल नहीं, डिपॉजिट मनी है - इस पर मिलता है बैंक से ज्यादा ब्याज, मई में उपभोक्ताओं को मिले 188 करोड़ रुपए

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के प्रावधानों के तहत विद्युत उपभोक्ताओं से प्रतिवर्ष अक्टूबर माह में अतिरिक्त सुरक्षानिधि (डिपॉजिट मनी) की गणना कर बिजली बिल के माध्यम से राशि जमा कराई जाती है। यह गणना उपभोक्ताओं की पिछले 12 माह की विद्युत खपत के आधार पर की जाती है। इस जमा राशि पर बैंक से भी अधिक दर पर ब्याज उपभोक्ताओं को प्रदान किया जाता है। बीते वर्ष अतिरिक्त सुरक्षा निधि पर 188.53 करोड़ रुपए का ब्याज उपभोक्ताओं के बिल में समायोजित किया गया।

उपभोक्ता द्वारा अधिक खपत करने पर अतिरिक्त सुरक्षा निधि जमा कराने का नियम नया नहीं है, बल्कि अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के समय से ही लागू है। उपभोक्ता की खपत का विश्लेषण कर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी अतिरिक्त सुरक्षा निधि की गणना करता है। प्रावधान के अनुसार दो महीने यानी 60 दिवस की औसत विद्युत खपत के देयक के बराबर सुरक्षानिधि जमा कराया जाता है। साल में जिन उपभोक्ताओं की बिजली खपत बढ़ जाती है, केवल उन्हीं से अतिरिक्त सुरक्षा निधि ली जाती है। इसकी गणना पहले से जमा सुरक्षा निधि और निर्धारित राशि के बीच अंतर होने पर ही की जाती है।



यह राशि बिजली खपत का शुल्क नहीं होता, बल्कि उपभोक्ता की जमानत राशि है। इस वर्ष प्रदेशभर में 9 प्रतिशत से भी कम उपभोक्ताओं से अतिरिक्त सुरक्षा निधि ली गई है। प्रदेश में 67.57 लाख उपभोक्ता हैं, जिनमें से केवल 6 लाख 18 हजार उपभोक्ताओं से अतिरिक्त सुरक्षा निधि जमा कराई जानी है। यदि उपभोक्ता की खपत कम हो, तब उसे अतिरिक्त सुरक्षा निधि बिजली बिल में समायोजित कर लौटाई भी जाती है।

यह सुरक्षा निधि बिजली बिल नहीं, बल्कि उपभोक्ता की डिपॉजिट मनी है, जिसे कनेक्शन बंद करने की दशा में लौटाया जाता है। इस पर उपभोक्ता को हर साल बैंक के सेविंग खाते से मिलने वाली दर से भी अधिक दर पर ब्याज दी जाती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नियमानुसार इस साल 5.75 प्रतिशत की दर से ब्याज प्रदान किया गया है, जिसे मई महीने के बिल में समायोजित कर हर उपभोक्ता को दिया गया है। इसकी राशि 188.53 करोड़ रुपए है। कनेक्शन स्थायी रूप से बंद होने पर बकाया देयकों का समायोजन करने के बाद सुरक्षा निधि उपभोक्ता को वापस कर दी जाती है।

इसलिए आवश्यक है सुरक्षानिधि : डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की मासिक विद्युत खपत का देयक अगले माह जारी किया जाता है। इसके बाद उपभोक्ताओं को देयक की राशि जमा करने के लिए 15 दिवस का अतिरिक्त समय भी दिया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग दो माह का समय लग जाता है। इसी अवधि को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग ने 60 दिवस की औसत विद्युत खपत के देयक के बराबर सुरक्षानिधि जमा करने का प्रावधान किया है।

किस्तों में भी जमा कर सकते हैं अतिरिक्त सुरक्षानिधि : उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त सुरक्षानिधि की राशि किस्तों में जमा करने का प्रावधान भी किया गया है। उपभोक्ता अपने वितरण केंद्र में जाकर इसे किस्तों में जमा करने का आवेदन कर सकते हैं। इसके तहत उच्चदाब विद्युत उपभोक्ताओं के अनुरोध पर संबंधित क्षेत्रीय मुख्य अभियंता को अतिरिक्त सुरक्षानिधि की राशि किस्तों में जमा करने की सुविधा प्रदान की जाती है।

खास खबर

बिसौली बदायूं में गोविन्द पाल को मिला अंतरराष्ट्रीय हिन्दी साहित्य काव्य विभूषण सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / बिसौली-बदायूं



सम्मान राशि, शाल, श्रीफल, मोमेंटो एवं सम्मान पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित

बिसौली बदायूं में 22 नवंबर को गोविन्द पाल को अंतरराष्ट्रीय हिन्दी साहित्य काव्य विभूषण से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप पाल को सम्मान राशि, शाल, श्रीफल, मोमेंटो एवं सम्मान पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित साहित्यकारों ने उनकी साहित्यिक साधना और हिन्दी काव्य के क्षेत्र में योगदान की सराहना की।

'का जादू डारे गोरी रे' से डॉ. अनुष्का सोन और राज चंद्राकर की संगीत जगत में नई शुरूआत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



छत्तीसगढ़ की माटी, संस्कृति और मातृभाषा के प्रति प्रेम को दर्शाता छत्तीसगढ़ी म्यूजिक वीडियो 'का जादू डारे गोरी रे' दर्शकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। इस गीत में डॉ. अनुष्का सोन (फेमिना मिस इंडिया ईस्ट) एवं राज चंद्राकर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि दोनों ही कलाकारों का यह पहला म्यूजिक वीडियो है।

डॉ. अनुष्का सोन ने अपने विभिन्न मीडिया एवं समाचार साक्षात्कारों में यह इच्छा जाहिर की थी कि वह अपने अभिनय करियर की शुरूआत छत्तीसगढ़ की धरती से करना चाहती हैं। अब 'का जादू डारे गोरी रे' गीत के माध्यम से उनका यह सपना साकार हो रहा है। छत्तीसगढ़ी भाषा के गीत से अपने अभिनय सफर की शुरूआत कर उन्होंने अपनी मिट्टी, संस्कृति और मातृभाषा के प्रति अपने लगाव एवं सम्मान को भी अभिव्यक्त किया है।

इस गीत को अपनी सुरीली आवाज दी है लोकप्रिय गायक आचार्य साहू एवं अनीता मंडल ने, जो अपने चर्चित गीत 'मया मया होगे' के लिए भी जाने जाते हैं। गीत का निर्देशन सुमीत बसईवाला ने किया है। इसका रिकॉर्डिंग एवं संगीत निर्माण 'मां तारा रिकॉर्ड्स छत्तीसगढ़ी' के बैनर तले किया गया है, जबकि निमार्ता अनंत कुमार हैं। 'का जादू डारे गोरी रे' केवल एक संगीत वीडियो नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की भाषा, कला, संस्कृति और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में एक सुंदर पहल है। इस गीत के माध्यम से कलाकारों ने अपनी छत्तीसगढ़ी पहचान और अपनी माटी के प्रति प्रेम को संगीत के जरिए प्रस्तुत किया है।

महादेवघाट का पुन्नी मेला : आस्था और लोक संस्कृति का संगम



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की समृद्ध धार्मिक आस्था, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक ऐतिहासिक पुन्नी मेला रायपुर के महादेव घाट में एक बार फिर अपनी भव्यता बिखेरने जा रहा है। खारून नदी के पावन तट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 24 नवंबर को श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। भगवान हटकेश्वर महादेव की नगरी में आस्था की डुबकी लगाने, दीपदान करने और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए रायपुर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

महादेव घाट का पुन्नी मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है। यहां पीढ़ियों से चली आ रही परंपराएं आज भी उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाई जाती हैं। कार्तिक पूर्णिमा की पावन बेला में खारून नदी के तट पर प्रज्वलित दीपों की जगमगाहट, मंदिरों में गूंजते मंत्रोच्चार, भगवान शिव के जयकारे और पारंपरिक मेले की चहल-पहल मिलकर ऐसा वातावरण रचते हैं, जो छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को उजागर करता है।

ऐतिहासिक हटकेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ी है मेले की गौरवशाली परंपरा

महादेव घाट स्थित प्राचीन हटकेश्वर महादेव मंदिर छत्तीसगढ़ की धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस मंदिर का संबंध कलचुरी शासनकाल से माना जाता है। प्रचलित ऐतिहासिक विवरणों और स्थानीय मान्यताओं के अनुसार मंदिर का निर्माण कलचुरी राजा ब्रह्मदेव के शासनकाल में हुआ था। कुछ विवरणों में इसका निर्माण वर्ष 1402 ईस्वी के आसपास बताया गया है, जबकि अन्य स्थानीय कथाओं में अलग-अलग तिथियों का उल्लेख मिलता है।

लोकमान्यता के अनुसार खारून नदी के किनारे भगवान शिव की आराधना और कार्तिक पूर्णिमा पर पुण्य स्नान की परंपरा लंबे समय से प्रचलित है। समय के साथ इस धार्मिक आयोजन ने विशाल मेले का स्वरूप धारण कर लिया। मंदिर की प्राचीनता, शिवभक्ति की परंपरा और खारून नदी के प्रति श्रद्धा ने महादेव घाट को रायपुर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में प्रतिष्ठित किया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर पुण्य स्नान और दीपदान का विशेष महत्व

भारतीय धार्मिक परंपराओं में कार्तिक पूर्णिमा को अत्यंत पवित्र माना गया है। इस दिन नदी में स्नान, भगवान शिव और भगवान विष्णु की आराधना, दीपदान तथा दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र जल में स्नान करने और दीपदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

महादेव घाट में श्रद्धालु प्रातःकाल खारून नदी में स्नान कर भगवान हटकेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते हैं। मंदिर में बेलपत्र, पुष्प और जल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य तथा प्रदेश की खुशहाली की कामना की जाती है। नदी के किनारे दीप प्रज्वलित करने की परंपरा इस आयोजन को विशेष आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करती है।

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन का उत्सव

पुन्नी मेला छत्तीसगढ़ की उस विशिष्ट सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है, जिसमें धार्मिक आस्था और लोकजीवन एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं। प्रदेश में धान की कटाई के आसपास का समय ग्रामीण उत्सवों, मेलों और मड़ई की परंपराओं से भी जुड़ा रहा है। कृषि प्रधान समाज में यह समय सामूहिक उल्लास, पारिवारिक मिलन और सामाजिक सहभागिता का अवसर बनता है।

महादेव घाट का मेला भी इसी लोकजीवन की झलक प्रस्तुत करता है। पारंपरिक खानपान, खिलौनों, श्रृंगार सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुओं और विभिन्न प्रकार की दुकानों से मेला परिसर गुलजार रहता है। बच्चों के लिए झूले और मनोरंजन के साधन आकर्षण का केंद्र बनते हैं। परिवारों के लिए यह आयोजन धार्मिक दर्शन के साथ सामूहिक आनंद का भी अवसर होता है।

मेले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें ग्रामीण और शहरी संस्कृति का सुंदर मेल दिखाई देता है। आधुनिक राजधानी के बीच यह आयोजन आज भी छत्तीसगढ़ की परंपरागत जीवनशैली, सामूहिकता और सांस्कृतिक मूल्यों को जीवित रखे हुए है।

धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से महादेव घाट का विशेष महत्व

महादेव घाट राजधानी रायपुर के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में शामिल है। प्राचीन हटकेश्वर महादेव मंदिर, खारून नदी का प्राकृतिक परिवेश, घाटों की सुंदरता और आसपास विकसित मनोरंजन सुविधाएं इसे धार्मिक श्रद्धालुओं के साथ पर्यटकों के लिए भी आकर्षक बनाती हैं। यहां स्थित लक्ष्मण झूला, नदी के तट पर विकसित उद्यान और भगवान शिव की विशाल प्रतिमा भी पर्यटकों को आकर्षित करती है। धार्मिक आस्था के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का यह संगम महादेव घाट को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

छत्तीसगढ़ में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। महादेव घाट जैसे ऐतिहासिक स्थलों की सांस्कृतिक पहचान को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने से स्थानीय पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल सकता है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रदेश की परंपरागत धार्मिक विरासत से नई पीढ़ी को परिचित कराने का अवसर भी मिलता है।

स्थानीय व्यापार और रोजगार को भी मिलता है प्रोत्साहन

पुन्नी मेला स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर है। मेले में लगने वाली छोटी-बड़ी दुकानों, पारंपरिक खाद्य पदार्थों, पूजा सामग्री, खिलौनों, हस्तनिर्मित वस्तुओं और अन्य उत्पादों की बिक्री से स्थानीय व्यापारियों तथा छोटे व्यवसायियों को लाभ मिलता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले छोटे व्यापारी और विक्रेता ऐसे आयोजनों में अपनी वस्तुओं का विक्रय करते हैं। इस प्रकार पुन्नी मेला धार्मिक आस्था के साथ आर्थिक गतिविधियों और स्थानीय आजीविका को भी प्रोत्साहित करता है।

पीढ़ियों को जोड़ने वाली सांस्कृतिक धरोहर

महादेव घाट का पुन्नी मेला छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है। बदलते समय और आधुनिक जीवनशैली के बीच भी यह आयोजन अपनी पारंपरिक पहचान बनाए हुए है। यहां बुजुर्ग अपनी धार्मिक मान्यताओं और स्मृतियों के साथ पहुंचते हैं, वहीं बच्चे और युवा अपनी संस्कृति तथा लोक परंपराओं से परिचित होते हैं। यह मेला केवल एक दिन का धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि पीढ़ियों को जोड़ने वाला सांस्कृतिक सेतु है। यहां आस्था के साथ अपनत्व, परंपरा के साथ उत्साह और धार्मिक भावना के साथ सामाजिक समरसता का सुंदर दृश्य देखने को मिलता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर खारून नदी के तट पर लगने वाला पुन्नी मेला एक बार फिर यह संदेश देगा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक सांस्कृतिक शक्ति उसकी लोक परंपराओं, धार्मिक आस्थाओं और सामूहिक उत्सवों में निहित है। भगवान हटकेश्वर महादेव के पावन सान्निध्य में आयोजित यह ऐतिहासिक मेला प्रदेश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ियों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बना हुआ है।

भरोसे का उठाया फायदा, छोटी बहन की सहेली के घर से 2.20 लाख के जेवरात पार करने वाली युवती गिरफ्तार

राजनांदगांव। साइबर सेल राजनांदगांव एवं थाना सिटी कोतवाली की संयुक्त पुलिस टीम ने भरोसे का फायदा उठाकर चोरी करने वाली युवती को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के जेवरात, कीमती लगभग 2,20,000 रुपये जप्त किए गए हैं। आरोपी युवती को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर महिला जेल दुर्ग भेजा गया है। आरोपिया : श्रेया रानी भीमगंज पिता स्व. विद्याभूषण, उम्र 21 वर्ष, निवासी शंकरपुर शिवानंद चौक, ओपी चिखली, थाना कोतवाली, जिला राजनांदगांव। 06 नवंबर 2026 को प्रार्थिया ने थाना सिटी कोतवाली राजनांदगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 18 अक्टूबर 2026 को सुबह लगभग 10 बजे उसके मकान लखोली बैगापारा, राजनांदगांव स्थित घर की अलमारी में रखे पुरानी इस्तेमाली चांदी की पायल, चांदी का राजाबाज पायल, सोने का लॉकेट, सोने के तीन जोड़ी टॉप्स एवं अन्य सोने-चांदी के जेवरात, कुल कीमत लगभग 2,20,000 रुपये को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 681/26, धारा 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर (रा.पु.से.) एवं नगर पुलिस अधीक्षक सत्यप्रकाश तिवारी (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन में थाना सिटी कोतवाली एवं साइबर सेल राजनांदगांव की संयुक्त टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तथा आसपास के लोगों से पूछताछ कर मुखबिरों के माध्यम से लगातार जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि आरोपी श्रेया रानी भीमगंज अपनी छोटी बहन की सहेली के घर अक्सर आना-जाना करती थी। घटना दिनांक को भी वह अपनी छोटी बहन के साथ उसकी सहेली के घर गई थी। वहां पहुंचने के बाद आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से अपनी छोटी बहन एवं उसकी सहेली को कुछ सामान लाने के बहाने अपनी स्कूटी देकर पुराने बस स्टैंड भेज दिया। दोनों के घर से बाहर जाने के बाद आरोपी ने घर में रखी अलमारी को निशाना बनाया और उसमें रखे सोने-चांदी के कीमती जेवरात चोरी कर लिए। इस प्रकार आरोपी ने परिचित होने का फायदा उठाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

अकवान तूफान और बेमौसम बारिश से किसानों की फसल बर्बाद, भाजपा सरकार तमाशा देख रही है - कांग्रेस



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भाजपा सरकार पर किसानों के प्रति संवेदनहीन होने का आरोप लगाया है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि पहले अर्नव, मुरासु और अब अकवान तूफान एवं बेमौसम बारिश से किसानों की फसल बर्बाद हो गई, लेकिन सरकार खड़ी होकर तमाशा देख रही है।

धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि किसान को प्राकृतिक आपदा और सरकार निर्मित आपदा दोनों से लड़ना पड़ रहा है। 1 नवंबर से धान खरीदी होती, किसानों को टोकन और बारदाना समय पर मिलता तो जिन किसानों की फसल तैयार होकर खलिहान में रखी है, उन्हें नुकसान नहीं होता। सरकार की अकर्मण्यता के चलते 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हुई, उसमें भी भारी अव्यवस्था का सामना किसानों को करना पड़ रहा है। किसान धान बेचने के लिए टोकन और बारदाना के लिए भटक रहे हैं और यह तूफान किसानों के लिए दोहरी मुसीबत बन गया है।

उन्होंने कहा कि पहले तूफान से किसानों की फसल के नुकसान का सर्वे अब तक नहीं हुआ है, न ही किसानों को मुआवजा मिला है। अब फिर बेमौसम हो रही बारिश किसानों के ऊपर पहाड़ बनकर टूट रही है। बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में खड़ी और कटाई के बाद रखी फसल बारिश से खराब हो रही है, किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भाजपा सरकार अब तक किसानों को राहत देने के लिए गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ मैदान में नहीं उतरी है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के नाम पर बड़े-बड़े भाषण देती है, लेकिन जब किसान संकट में होता है तो सरकार की संवेदनाएं गायब हो जाती हैं। बेमौसम बारिश से हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा देने, फसल बीमा का लाभ दिलाने और नुकसान की भरपाई के लिए ठोस कदम उठाने के बजाय सरकार केवल औपचारिकता निभा रही है।

प्रतियोगिता कबड्डी में राजनांदगांव की बेटियों का जलवा

कुमारी कुमकुम का राष्ट्रीय टीम में चयन, फरीदकोट पंजाब में दिखाएंगी दमखम

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

खेल के क्षेत्र में संस्कारधानी राजनांदगांव की बेटियां लगातार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। इसी कड़ी में जूनियर महिला कबड्डी खिलाड़ियों ने एक बार फिर जिले का गौरव बढ़ाया है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता में राजनांदगांव की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया था। टीम की इसी उपलब्धि और खिलाड़ियों के बेहतरीय खेल कौशल का परिणाम है कि राजनांदगांव की छह प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन छत्तीसगढ़ की जूनियर महिला कबड्डी टीम में हुआ है। ये खिलाड़ी अब फरीदकोट पंजाब में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 से 30 नवंबर तक पंजाब में राष्ट्रीय जूनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ की टीम में राजनांदगांव नगर की पांच खिलाड़ियों सहित जिले की एक अन्य खिलाड़ी का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ियों में मीनाक्षी, हेमलता, कावेरी, भामणी, कुमकुम एवं अंजलि शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता में राजनांदगांव की टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया था। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी दमदार रेड, मजबूत रक्षात्मक रणनीति, बेहतर तालमेल और शानदार खेल कौशल से प्रतिद्वंद्वी टीमों को कड़ी चुनौती दी। टीम की इस उपलब्धि ने राजनांदगांव को प्रदेश के कबड्डी मानचित्र पर एक बार फिर गौरवान्वित किया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद छह



खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन होना जिले के खेल जगत के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

राजनांदगांव ग्राम ढोडिया आश्रित ग्राम भोडिया कु कुमकुम उच्च माध्यमिक विद्यालय भानसरा कक्षा 11 वी विद्यार्थी अध्ययनरत हैं जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष ऋषि देव चौधरी ने उक्त जानकारी देते हुए सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। राष्ट्रीय स्तर पर चयन से जिले की अन्य बालिका खिलाड़ियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक चौधरी, कोच एवं राजनांदगांव कबड्डी संघ के सचिव ललित साहू, छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ के संयुक्त सचिव तीरथ गिरी गोस्वामी, नगर निगम कबड्डी संघ के अध्यक्ष महेश साहू, कोच रोहित पड़ोती, संजय शाह तथा राष्ट्रीय खिलाड़ी छाया चंद्रवंशी धामनसरा प्राचार्य अजय मसीह पूर्व जनपद सदस्य योगेंद्र दास वैष्णव शाला विकास समिति अध्यक्ष रामचंद्र चंद्राकर पूर्व सरपंच पुनुराम पटेल सरपंच कृतगौरी पटेल खेल शिक्षक संतोष देशमुख सहित शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। सभी पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने उम्मीद जताई कि राजनांदगांव की ये होनहार खिलाड़ी पंजाब में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने शानदार खेल से छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगी। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों और कबड्डी जगत में हर्ष का माहौल है।

झूलन गोस्वामी बर्थडेः मां को पसंद नहीं था क्रिकेट

बेटी बन गई वनडे की सबसे सफल गेंदबाज



नई दिल्ली । झूलन गोस्वामी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे प्रभावशाली और लोकप्रिय तेज गेंदबाज रही हैं। भारतीय टीम के एक सामान्य टीम से मजबूत टीम बनने के सफर में झूलन का योगदान असाधारण रहा है। उनका नाम विश्व की श्रेष्ठ महिला तेज गेंदबाजों में शुमार किया जाता है। झूलन गोस्वामी का जन्म 25 नवंबर 1982 को पश्चिम बंगाल के चकदाह में हुआ था। उन्हें बचपन से ही क्रिकेट में रुचि थी। हालांकि, उस दौर में महिलाओं के लिए क्रिकेट खेलना असामान्य था। झूलन की मां को भी उनका लड़कों के साथ क्रिकेट खेलना पसंद नहीं था, लेकिन बेटी ने इसी खेल में देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देख लिया था। गोस्वामी ने एमआरएफ एकेडमी से ट्रेनिंग ली। दाएं हाथ की इस तेज गेंदबाज ने 15 साल की उम्र में चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्हें 2002 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में ही झूलन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए और भारत को 8



रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। शानदार डेब्यू के बाद झूलन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 20 साल के अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। झूलन गोस्वामी महिला वनडे में विश्व में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 204 वनडे में 255 विकेट हासिल किए थे। वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाली एकमात्र महिला क्रिकेटर हैं। 2008 से 2011 तक भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान रही झूलन ने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेले हैं। उनके नाम 12 टेस्ट में 44, 204 वनडे में 255 और 68 टी20 में 56 विकेट हैं। झूलन निचले क्रम की उपयोगी बल्लेबाज भी रही हैं। 12 टेस्ट में 2 अर्धशतक लगाते हुए 291 रन और वनडे में 1 अर्धशतक लगाते हुए 121 पारियों में 1,228 रन उनके नाम हैं। टी20 में भी उनके नाम 405 रन हैं। झूलन गोस्वामी को 2010 में 'अर्जुन पुरस्कार' और 2012 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली झूलन कोचिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस (एमआई) की गेंदबाजी कोच और मेंटर हैं। उनकी कोचिंग में मुंबई इंडियंस दो बार (2023 और 2025) चैंपियन रही है।

आईएलटी20

बाबर आजम की तूफानी पारी, डेजर्ट वाइपर्स को 6 विकेट से दिलाई जीत

शारजाह । इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे मैच में बाबर आजम की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर उनकी टीम डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स को 15 गेंद पहले 6 विकेट से हरा दिया। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार की रात हुए मुकाबले में डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान शादाब खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी शारजाह वॉरियर्स ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 166 रन बनाए। शारजाह वॉरियर्स की तरफ से पॉल वॉल्टर ने 43 गेंदों पर 11 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 75 रन की पारी खेली। इसके अलावा, जेम्स विंस ने 23, टिम सिफर्ट ने 17, जॉर्ज लिंडे ने 14 और क्रेग ओवरटन ने 12 रन बनाए। डेजर्ट वाइपर्स की तरफ से कप्तान शादाब खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। के. तनवीर ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। टॉम कुर्रन ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। नसीम शाह को 1 विकेट मिला। 167 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स के लिए फखर जमान और बाबर आजम पारी की शुरुआत करने उतरे। फखर 10 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन बाबर आजम पूरे रंग में दिखे। बाबर ने 51 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 86 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत डेजर्ट ने 17.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। बाबर के अलावा जोए क्लार्क ने 27 गेंदों पर 35 रन बनाए।



प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास

181 रन
67 गेंदों पर

भारत की तरफ से टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने



इंदौर । दिल्ली के स्टार बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इतिहास रच दिया है। आर्य ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) में मंगलवार को डेली कॉलेज ग्राउंड में तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के ग्रुप-बी के छठे मैच में 68 गेंदों में 181 रन की पारी खेली। टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की यह सबसे बड़ी पारी है। प्रियांश आर्य ने अपना शतक मात्र 36 गेंदों पर पूरा किया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। दिल्ली की कप्तानी कर रहे प्रियांश ने अपनी विस्फोटक पारी से केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक राहुल के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी20 पारी का रिकॉर्ड था। राहुल ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए 67 गेंदों पर 152 रन की पारी खेली थी। राहुल की पारी में 16 चौके और 9 छक्के शामिल थे।

प्रियांश आर्य ने 19 छक्कों के साथ किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में फिन एलन की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के इस विस्फोटक ओपनर ने 2025 में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से खेलते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों पर 151 रन की पारी खेली थी। इस पारी में एलन ने 19 छक्के लगाए थे। अब एक टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एलन के साथ प्रियांश के नाम भी दर्ज हो गया है। आर्य का 181 रन दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी है। यह अब तक के सबसे बड़े स्कोर 188* से सिर्फ सात रन कम है। दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने पिछले महीने सीएसए प्रोटा कप में टाइटन्स के लिए नाइट्स के खिलाफ नाबाद 188 रन की पारी खेली थी।

प्रियांश की पारी की बदौलत दिल्ली ने तमिलनाडु के खिलाफ 5 विकेट पर 275 रन बनाए।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से ब्लेयर टिकनर बाहर

न्यूजीलैंड टीम में मैट फिशर को मिली जगह

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण शुक्रवार से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में मैट फिशर को शामिल किया गया है। ब्लेयर टिकनर भारत के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सके थे। वेलिंगटन में ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि टिकनर के और परीक्षण होने वाले हैं, ताकि यह पता चल सके कि वह कितने समय तक बाहर रह सकते हैं। 33 साल के टिकनर ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं और 22 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर खेला था।

टिकनर की जगह टीम में शामिल किए गए 27 साल के फिशर ने अगस्त 2025 में टेस्ट में डेब्यू किया था, लेकिन उसके बाद से रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। फिशर भारतीय टीम के इस मौजूदा दौरे पर पांच में से चार वनडे और पांच में से दो टी20 मैचों का हिस्सा रहे हैं। वेलिंगटन में भारत के साथ समाप्त हुए टेस्ट में गेंदबाजों पर ज्यादा वर्कलोड था। पहले और दूसरे टेस्ट के बीच महज तीन दिन का अंतर



है। ऐसे में इन गेंदबाजों के कवर के तौर पर फिशर को टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड के लिए आने वाली गर्मियां बड़ी हैं। वे 9 दिसंबर से शुरू होने वाले चार टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे और श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट के लिए घर लौटेंगे। न्यूजीलैंड अगले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में है, लेकिन बेसिन रिजर्व में ड्रॉ के बाद उनके चांस कम हो गए हैं।

आईपीएल

पंजाब ने पारस म्हाम्ब्रे को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स ने पारस म्हाम्ब्रे को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। म्हाम्ब्रे फ्रेंचाइजी में जेम्स होप्स की जगह लेंगे। होप्स ने पिछले महीने अपना पद छोड़ दिया था। वहीं, फ्रेंचाइजी फील्डिंग कोच के रूप में राजीव कुमार को नियुक्त करने वाली है। वह पूर्व फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन की जगह लेंगे। राजीव चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे का गेंदबाजी कोच के रूप में लंबा अनुभव है। वह



भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। म्हाम्ब्रे 2021 से 2024 तक राहुल द्रविड़ वाली कोचिंग टीम में गेंदबाजी कोच थे। इसके अलावा, वह इंडिया ए और इंडिया अंडर-19 के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में वह बंगाल, महाराष्ट्र, बड़ौदा और विदर्भ के कोच रहे हैं। आईपीएल में पारस म्हाम्ब्रे लंबे समय तक मुंबई इंडियंस (एमआई) का हिस्सा रहे हैं। वह आईपीएल के पहले सीजन (2008) में एमआई के साथ सपोर्ट स्टाफ के तौर पर जुड़े थे। 2010 में फ्रेंचाइजी ने उन्हें सहायक कोच बनाया। 2017 में वह टीम से अलग हो गए। इसके बाद फिर से 2024 से 2026 तक एमआई के गेंदबाजी कोच रहे थे। पारस म्हाम्ब्रे के गेंदबाजी कोच के तौर पर हासिल लंबे अनुभव का लाभ पंजाब किंग्स को मिल सकता है, जो अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में है। म्हाम्ब्रे को हेड कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पंजाब की गेंदबाजी पर मजबूती से काम करना होगा।

पंजाब किंग्स एक ऐसी फ्रेंचाइजी है, जो पहले सीजन से ही लीग का हिस्सा है, लेकिन एक भी खिताब जीतने में सफल नहीं रही है।

शुभमन गिल के फैसले पर माइकल वॉन ने ली चुटकी

कहा- एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ड्रॉ पर भारत के फैसले पर सवाल उठाया है। वॉन ने कप्तान शुभमन गिल पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि उन्होंने समय रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला क्यों लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम ने 15 ओवर शेष रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला कर लिया था, जबकि न्यूजीलैंड के 5 विकेट शेष थे। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि उनकी टीम मैनेजमेंट ने दूसरे टेस्ट से पहले पेस अटैक को शारीरिक रूप से फ्रेश रखने को प्राथमिकता दी थी। गिल ने बचे हुए ओवर कराने की स्थिति में भी मैच जीतने पर शंका जताई थी।



गिल ने बताया कि तीनों तेज गेंदबाजों ने मैच के दौरान पहले ही काफी मेहनत की थी, हर एक ने करीब 50 ओवर फेंके थे। टीम को अगले दिन ट्रैवल भी करना था, इसलिए उन्हें लगा कि बॉलिंग यूनिट पर और दबाव न डालना समझदारी वाला विकल्प है।

भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगर विकेट में थोड़ी और जान होती, तो शायद, लेकिन तेज गेंदबाज थके हुए थे। उन्होंने मैच में लगभग 50 ओवर फेंके हैं, सभी ने। साथ ही, यह ध्यान में रखते हुए कि जल्दी बदलाव होता है, अगला मैच सिर्फ तीन दिन में है और कल ट्रैवल है, हम अपने सभी गेंदबाजों को फ्रेश रखना चाहते थे। और मुझे सच में नहीं लगा कि 5-10 अतिरिक्त ओवर डालने से इतनी मदद मिलती।'

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन गिल के तर्क से सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि खेल के बचे हुए एक घंटे में जरूरी पांच विकेट गिर सकते थे।

वॉन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, 'यह अविश्वसनीय है, इसलिए पिछले एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे।'

उनके मजाकिया जवाब ने गिल के इस अनुमान को सीधे तौर पर चुनौती दी कि कुछ और ओवरों से नतीजे पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। वॉन की इस बात ने भारत के फैसले के रणनीतिक पहलू को भी सामने ला दिया। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब मेहमान टीम गणितीय रूप से जीत की दौड़ में थी।



प्रो रेसलिंग लीग के छठे सीजन का आयोजन दिल्ली में 3 से 19 जनवरी तक होगा

नीलामी 30 नवंबर को होगी



नई दिल्ली । प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा एडिशन 3 से 19 जनवरी, 2027 तक नई दिल्ली के केडी जाधव रेसलिंग एरिना में आयोजित होगा। इसमें छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। आने वाले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को मुंबई के ग्रैंड हयात में होगी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) कैलेंडर में बदलाव के बाद शनिवार को बदली हुई तारीखों की घोषणा की गई। रीशेड्यूलिंग का मकसद यह पक्का करना है कि लीग का इंटरनेशनल रेसलिंग शेड्यूल से टकराव न हो। इससे लीग में भारतीय और विदेशी रेसलर हिस्सा ले सकेंगे। सीजन 6 में 86 टॉप रेसलर होंगे, जिनमें 34 इंटरनेशनल मेडलिस्ट शामिल हैं। लीग में ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्टों के एक बड़े समूह के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

इसमें हिस्सा लेने वाली छह फ्रेंचाइजी मुंबई दंगल, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

आने वाले ऑक्शन में काफी ध्यान जाने की उम्मीद है, क्योंकि फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल और इंडियन रेसलिंग के कुछ सबसे बड़े नामों को हासिल करके अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं।

पिछले ऑक्शन में जापान के ओलंपिक चैंपियन यूई सुसाकी 60 लाख रुपये की विनिंग बिड हासिल करके पीडब्ल्यूएल के इतिहास में सबसे महंगे रेसलर बने थे। भारत के अमन सेहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल भी सबसे बड़ी एक्विजिशन में शामिल थे, जिनमें से हर एक के लिए 50 लाख रुपये से ज्यादा की बिड लगी थी।

पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन दयान फारूकी ने कहा कि बदला हुआ शेड्यूल लीग को इंटरनेशनल रेसलिंग कैलेंडर के साथ अलाइन रहने में मदद करेगा और साथ ही टॉप एथलीट्स का पार्टिसिपेशन भी पक्का करेगा।

फारूकी ने कहा, 'यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग कैलेंडर में बदलाव के बाद, हमने सीजन 6 को 3 से 19 जनवरी, 2027 तक रीशेड्यूल किया है। 30 नवंबर को होने वाली प्लेयर ऑक्शन में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन रेसलिंग टैलेंट एक साथ आएंगे, जिसमें बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिटर और भारत के टॉप स्टार शामिल हैं।'

मुख्यमंत्री ने रिसाली को दी 101 करोड़ से ज्यादा के विकास कार्यों की सौगात

ई-बस सेवा से जल्द जुड़ेगा रिसाली, 134 करोड़ के ओवरहेड टैंक सहित कई बड़ी घोषणाएं

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नगर पालिक निगम रिसाली के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रिसालीवासियों को कुल 10102.45 लाख रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें नगर पालिक निगम रिसाली के अंतर्गत 2955.20 लाख रुपए लागत के 22 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 3956.34 लाख रुपए लागत के 2 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 2806.70 लाख रुपए लागत के एक कार्य तथा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना के अंतर्गत 384.21 लाख रुपए लागत के 4 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।



मुख्यमंत्री की बड़ी घोषणाएं

विधायक ललित चंद्राकर की मांग पर मुख्यमंत्री ने जल शुद्धिकरण हेतु ओवरहेड टैंक निर्माण के लिए 134 करोड़ रुपए, वार्ड 01 से 40 तक नाली सुदृढ़ीकरण हेतु 2 करोड़ रुपए और नेवई और जोरातराई में मुक्तिधाम उन्नयन हेतु 50-50 लाख रुपए की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजाद मार्केट से प्रगति नगर होते हुए मैत्री कुंज तक 10 करोड़ 84 लाख रुपए की लागत से नाला निर्माण, डीपीएस चौक से जोहार चौक तक 5 करोड़ 59 लाख रुपए की लागत से सड़क विकास, वार्ड 18 में 1 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से ओवरहेड टैंक, मैत्री नगर में 1 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से उद्यान निर्माण सहित कई कार्य किए जाएंगे।

सीएसवीटीयू नेवई भिलाई में लगभग 28 करोड़ 07 लाख रुपए की लागत से नए आवास, बालक छात्रावास और वर्कशॉप भवन का निर्माण किया जाएगा।

प्रदेश सरकार रिसाली के विकास को लेकर प्रतिबद्ध

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार नगरीय विकास को गति दे रही है। प्रधानमंत्री जी की सोच है कि शहर आर्थिक विकास के केंद्र बने। आने वाले दिनों में रिसाली निगम क्षेत्र भी ई-बस सेवा से शीघ्र जुड़ेगा।

उन्होंने कहा कि आगामी 13 दिसंबर को प्रदेश सरकार के तीन साल पूरे होने जा रहे हैं। इन तीन सालों में हमने मोदी की गारंटी को पूर्ण करने में सफलता पाई है। 18 लाख गरीबों के लिए मकान की व्यवस्था जिसमें 12 लाख मकान बन चुके हैं। महतारी वंदन योजना अंतर्गत प्रतिमाह 68 लाख हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है, अब तक 35 किस्त जारी की जा चुकी हैं। प्रदेश में 3100 धान खरीदी केंद्रों में 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ है, जिसमें 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की जा रही है।

पैसे की कमी नहीं होगी - उपमुख्यमंत्री साव

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि रिसाली निगम क्षेत्र के विकास में पैसे की कमी नहीं होगी। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने किसानों की बहुप्रतीक्षित मांगें पूरी करने और रिसाली में विकास की सौगातें देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार माना।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के 95 हितग्राहियों को प्रशस्ति पत्र, अनुदान राशि चेक व सामग्री वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने समाज कल्याण विभाग की हितग्राही चंचला दुर्गा और रघुनंदन ध्रुव को मोटराइज्ड ट्रायसायकल, शिव प्रसाद को ट्रायसिकल, विकास कुमार को व्हील चेयर और रोहिणी मानिकपुरी को श्रवण यंत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, विधायक रिकेश सेन, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, खादी ग्रामोद्योग के अध्यक्ष राकेश पांडे, नगर निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार, नगर निगम रिसाली की महापौर शशि सिन्हा, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, पूर्व मंत्री रमशीला साहू एवं सुरेंद्र कौशिक सहित संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।



भिलाई-चरोदा में मुख्यमंत्री ने 84 हितग्राहियों को बांटे लाभ, पट्टा से लेकर आवास की चाबी तक मिली सौगात

भिलाई-चरोदा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भिलाई-चरोदा का सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार का संकल्प है कि विकास की रोशनी हर वार्ड, हर मोहल्ला और हर परिवार तक पहुंचे। सरकार घोषणाओं में नहीं, धरातल पर विकास में विश्वास करती है। मुख्यमंत्री ने भिलाई-चरोदा प्रवास के दौरान विभिन्न विभागों की योजनाओं के तहत कुल 84 हितग्राहियों को लाभान्वित किया। कार्यक्रम में पट्टा वितरण, आवास की चाबी, चेक, आयुष्मान कार्ड, जॉब कार्ड, श्रमिक कार्ड सहित कई योजनाओं का लाभ दिया गया।

किसे क्या मिला

विभाग : पट्टादारी योजना में 10 हितग्राहियों को पट्टा, स्वामित्व योजना में 5 को अधिकार अभिलेख
नगर निगम भिलाई-चरोदा : पीएम आवास योजना (शहरी) में 4 को चाबी, पीएम स्वनिधि में 10 को चेक
CSPDCL : पीएम सूर्यघर योजना में 4 को प्रमाण पत्र
जिला पंचायत : बैंक लिंकेज टपछट योजना से 4 स्व-सहायता समूहों को 13 .50 लाख रुपए के चेक
पीएम आवास (ग्रामीण) : 10 हितग्राहियों को चाबी
VBG रामजी योजना : 5 को जॉब कार्ड
स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) : 5 को व्यक्तिगत शौचालय की प्रोत्साहन राशि का चेक
स्वास्थ्य विभाग : आयुष्मान भारत योजना में 5 को आयुष्मान कार्ड
श्रम विभाग : मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना में 4 को *1-1 लाख रुपए* का चेक, 5 को श्रमिक पंजीयन कार्ड
महिला एवं बाल विकास : महिला कोष / सक्षम योजना में 2 समूहों को 2-2 लाख, 4 महिलाओं को 1.20-1.20 लाख रुपए का चेक
मत्स्य विभाग : नवयुवक मत्स्योद्योग सहकारी समिति को पट्टा, जय मां जलदेवी मछुआ समिति को जाल / आइस बॉक्स
कृषि विभाग : आत्मनिर्भर दलहन मिशन के तहत 5 किसानों को मसूर बीज

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सरकार का संकल्प है। भिलाई-चरोदा में हुए इस वितरण से सैकड़ों परिवारों के जीवन में सीधा बदलाव आएगा।

ट्रांसपोर्ट नगर से लेकर तालाबों तक विकास की सौगात, भिलाई-चरोदा का होगा कायाकल्प

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा प्रवास के दौरान क्षेत्र को 106 करोड़ 31 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने यहां 65 करोड़ 16 लाख रुपए के 11 कार्यों का लोकार्पण और 41 करोड़ 14 लाख रुपए के 70 कार्यों का भूमिपूजन किया।

सबसे बड़ी सौगात - ट्रांसपोर्ट नगर : मुख्यमंत्री ने ट्रांसपोर्ट नगर फेज-1 लागत 28 करोड़ 53 लाख रुपए, फेज-2 लागत 29 करोड़ 10 लाख रुपए, कुल 57 करोड़ 11 लाख रुपए की लागत से बने ट्रांसपोर्ट नगर को जनता को समर्पित किया। इससे व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

शिक्षा और खेल को बढ़ावा : - वार्ड-22 चरोदा भाठापारा खेल मैदान - 1 करोड़ 49 लाख, वार्ड-14 नेहरू नगर स्वामी आत्मानंद स्कूल ऑडिटोरियम - 1 करोड़ 49 लाख, विद्यालय में अन्य विकास कार्य - 1 करोड़ 18 लाख का लोकार्पण

तालाबों का हुआ पुनरुद्धार : - हथखोज बांधा तालाब - 1 करोड़ 10 लाख, शीतला तालाब, चरोदा बस्ती - 98 .36 लाख, डबरा पारा तालाब - 49 .09 लाख, जरवाय तालाब - 43 .67 लाख, दादर तालाब - 42 .97 लाख, ठाकुर तालाब, सिरसाभाटा - 42 .97 लाख का लोकार्पण

70 नए कार्यों का भूमिपूजन : मुख्यमंत्री के करकमलों से नगरोत्थान मद से 29 करोड़ 42 लाख के 25 कार्य, 15वें वित्त आयोग से 10 करोड़ 11 लाख के 64 कार्य, राज्य प्रवर्तित मद से 62 .56 लाख के 2 कार्य, 14वें वित्त आयोग से 48 लाख के 2 कार्य, अधोसंरचना मद से 49 .46 लाख के 4 कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भिलाई-चरोदा का सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, धरातल पर विकास कार्यों को उतारने में विश्वास रखती है। ट्रांसपोर्ट नगर, सड़क, शिक्षा, खेल, तालाबों का सौंदर्यीकरण और अधोसंरचना विकास इसी संकल्प का प्रमाण हैं। भिलाई-चरोदा अब विकास की नई उड़ान भरने के लिए तैयार है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसपी विजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नगरवासी उपस्थित थे।



ड्राइवर सीट के ऊपर गुप्त चेंबर, अंदर 407 किलो गांजा, पुलिस ने पकड़ा 2 करोड़ का माल

कवर्धा। कबीरधाम पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कंटेनर ट्रक से 407 किलो 330 ग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 2 करोड़ 3 लाख 66 हजार रुपये बताई गई है। तस्करों ने गांजे को ट्रक की ड्राइवर सीट के ऊपर बने गोपनीय चेंबर में छिपाकर रखा था। पुलिस ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, चिल्फी थाना पुलिस ने नेशनल हाईवे-30 पर नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध कंटेनर ट्रक को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान ट्रक की ड्राइवर सीट के ऊपर बने गोपनीय चेंबर से 192 पैकेट गांजा बरामद हुआ। इसका कुल वजन 407 किलो 330 ग्राम पाया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गांजे की यह खेप ओडिशा से उत्तर प्रदेश ले जाई जा रही थी। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल कंटेनर ट्रक और मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। गिरफ्तार दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने गांजा, कंटेनर ट्रक और मोबाइल फोन सहित कुल 2 करोड़ 29 लाख 76 हजार 500 रुपये का मशरूका जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गांजा तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। इस कारोबार में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पत्नी, बेटी और बेटे को सल्फास देकर हत्या, खुद फांसी पर लटका

संजय नगर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत का राज खुला, फोरेंसिक रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

संजय नगर में 17 जुलाई को एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत के मामले में फोरेंसिक रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, परिवार के मुखिया साजिद अली ने पत्नी राबिया, बेटे इरशाद और बेटियों शाहिदा व इरशाबा को सल्फास दिया था। चारों की मौत सल्फास खाने से हुई, जबकि साजिद ने फांसी लगाकर खुदकुशी की थी। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को साजिद के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

चारों के पेट में मिली सल्फास की मात्रा : फोरेंसिक जांच में चारों के पेट में सल्फास की मात्रा मिली है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सल्फास किस चीज में मिलाकर दिया गया था। भोजन और मिठाई के नमूनों में कोई जहरीला पदार्थ नहीं मिला है।

डीएनए प्रोफाइलिंग पूरी, पांचों के सैंपल का मिलान : फोरेंसिक टीम ने पांचों मृतकों के सैंपल लेकर डीएनए जांच के लिए भेजे थे। इनकी प्रोफाइलिंग पूरी हो गई है। सभी सैंपल की जेनेटिक प्रोफाइल तैयार करने के बाद पांचों के डीएनए का मिलान भी कर लिया गया है।

क्या हुआ था उस रात : जानकारी के अनुसार, 17 जुलाई की रात संजय नगर स्थित मकान में बैटरी कारोबारी साजिद अली का शव पंखे के हुक से फंदे पर लटका मिला था। उसकी पत्नी राबिया, बेटे इरशाद और बेटियां शाहिदा व इरशाबा बिस्तर पर मृत पड़े थे। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया था।

युवती का अपहरण, गाल पर काटकर किया घायल

धमतरी। जिले में दिनदहाड़े बाइक सवार दो युवकों ने स्कूटी से घर लौट रही युवती का रास्ता रोककर उसे जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी ने युवती के साथ मारपीट की और उसके गाल पर काटकर घायल कर दिया। मगरलोड थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, जबकि मुख्य आरोपी फरार है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 नवंबर की सुबह ग्राम सेन्हाभाटा की रहने वाली युवती स्कूटी से अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान मेघा क्रिकेट मैदान के पास बाइक सवार दो युवकों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। युवती जैसे ही प्राथमिक शाला के पास पहुंची, आरोपियों ने उसका रास्ता रोक लिया। इसके बाद मुख्य आरोपी मनमोहन साहू ने युवती के साथ बदसलूकी करते हुए उसे जबरन बाइक पर बैठा लिया। युवती ने आरोपियों की इस हरकत का विरोध किया। इस दौरान मुख्य आरोपी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने युवती के गाल पर काटकर उसे घायल भी कर दिया। दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। युवती के अपहरण की जानकारी जैसे ही उसके परिजनों और ग्रामीणों को मिली, उन्होंने तत्काल सक्रियता दिखाई और आरोपियों को पकड़ने के लिए प्रयास शुरू किए।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100